दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

2009 से स्थापित

भीम प्रज्ञा अलर्ट

दुनिया को बदलने से पहले स्वयं को बदलने का प्रयास कीजिए। आत्म-सुधार ही वह दीपक है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के जीवन में उजाला भर सकता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-213 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 27 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

शतायु बुजुर्गों का सम्मानः संस्कार, संस्कृति और समाज की सच्ची पहचान

किसी भी सभ्य समाज की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, आर्थिक समृद्धि या आधुनिक संसाधनों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों को कितना सम्मान देता है। जिस समाज में अनुभव को संपत्ति और बुजुर्गों को परिवार की धरोहर माना जाता है, वही समाज संस्कारों की दृष्टि से समृद्ध कहलाता है। दुर्भाग्यवश आधुनिक जीवनशैली, एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति और भौतिकवादी सोच ने बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना को धीरे-धीरे कमजोर किया है। ऐसे समय में यदि कोई गांव अपने शतायु बुजुर्गों का सार्वजनिक सम्मान करता है, तो वह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का संदेश बन जाता है। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। 20 जून को बीकानेर जिले के किलचू गांव में आयोजित 'बुजुर्गों का सम्मान–हमारा अभियान' कार्यक्रम में सहभागी बनने का सौभाग्य मिला। सामाजिक चिंतक एवं जनजातीय समाज के हितों के लिए समर्पित आदरणीय दुलीचंद पंवार के परिवार द्वारा 100 वर्षीय पूज्य दादा श्री बिरदाराम पंवार के जन्मोत्सव को जिस गरिमा और सामाजिक चेतना के साथ मनाया गया, वह अपने आप में अनुकरणीय पहल है। इस अवसर पर गांव के लगभग एक शतक आयु के महिला और पुरुष बुजुर्गों का सार्वजनिक सम्मान किया गया। यह दृश्य केवल सम्मान समारोह नहीं था, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवंत परंपरा का दर्शन था, जिसमें वृद्धजन को परिवार और समाज का मार्गदर्शक माना जाता है। आज का समाज युवाओं की ऊर्जा की चर्चा तो करता है, लेकिन यह भूल जाता है कि उस ऊर्जा को सही दिशा देने का अनुभव बुजुर्गों के पास ही होता है। एक शतायु व्यक्ति केवल सौ वर्ष का जीवन नहीं जीता, बल्कि वह कई पीढ़ियों का इतिहास, संघर्ष, संस्कृति और सामाजिक परिवर्तन अपने भीतर समेटे रहता है। उसकी स्मृतियाँ किसी पुस्तकालय से कम नहीं होतीं। ऐसे लोगों का सम्मान वास्तव में हमारी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान है।

भारतीय संस्कृति में माता-पिता और बुजुर्गों को देवतुल्य माना गया है। परिवार की पहली पाठशाला भी बुजुर्गों की गोद ही होती है। बच्चों को संस्कार, संयम, धैर्य, परिश्रम और जीवन मूल्यों की शिक्षा सबसे पहले दादा-दादी और नाना-नानी से ही मिलती है। यदि परिवार से बुजुर्गों का मार्गदर्शन समाप्त हो जाए, तो समाज केवल तकनीकी रूप से विकसित हो सकता है, संस्कारों से नहीं।वर्तमान समय में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या और अकेलेपन से जूझते बुजुर्ग हमारे सामाजिक परिवर्तन का गंभीर संकेत हैं। जिन हाथों ने अपने बच्चों का भविष्य बनाया, आज वही हाथ सम्मान और अपनत्व की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इसलिए किलचू गांव का यह आयोजन केवल एक गांव तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बनना चाहिए। प्रत्येक गांव, प्रत्येक समाज और प्रत्येक परिवार को वर्ष में कम से कम एक दिन अपने बुजुर्गों के सम्मान के लिए समर्पित करना चाहिए। दादा श्री बिरदाराम पंवार का शताब्दी जन्मोत्सव हमें यह संदेश देता है कि जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल लंबी आयु नहीं, बल्कि सम्मानपूर्ण और प्रेरणादायी जीवन है। जिन्होंने अपने श्रम, संघर्ष और संस्कारों से समाज को दिशा दी, उनका सम्मान करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नई पीढ़ी बुजुर्गों के अनुभवों को सुने, उनसे संवाद करे और उनके जीवन संघर्ष से प्रेरणा ले। आधुनिक शिक्षा हमें रोजगार दे सकती है, लेकिन जीवन जीने की कला अक्सर बुजुर्गों के अनुभव ही सिखाते हैं। उनके पास कठिन परिस्थितियों से निकलने का धैर्य, परिवार को जोड़कर रखने की समझ और समाज को साथ लेकर चलने की दृष्टि होती है। किलचू गांव की यह पहल सामाजिक समरसता, पारिवारिक संस्कार और मानवीय मूल्यों का सशक्त उदाहरण है। ऐसे आयोजन केवल सम्मान समारोह नहीं होते, बल्कि समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने वाले सांस्कृतिक उत्सव होते हैं। यदि देश का प्रत्येक गांव अपने बुजुर्गों का इसी प्रकार सम्मान करने लगे, तो नई पीढ़ी में संस्कार, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना स्वतः विकसित होगी।

अंततः यही कहा जा सकता है कि किसी समाज की असली प्रगति उसकी युवा शक्ति से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने बुजुर्गों को कितना सम्मान देता है। क्योंकि जिन समाजों में बुजुर्गों का सम्मान जीवित रहता है, वहाँ संस्कृति, संस्कार और सभ्यता भी सदैव जीवित रहती है।

रीटा चौधरी बोलीं- नीट पेपर लीक पर सरकार जवाब दे

कांग्रेस छात्रों के हक की लड़ाई लड़ेगी, जरूरत पड़ी तो करेगी प्रदर्शन

झुंझुनू

कांग्रेस जिलाध्यक्ष और मण्डावा विधायक रीटा चौधरी ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के हक की लड़ाई हर मंच पर लड़ेगी। जरूरत पड़ने पर आंदोलन और प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने प्रदेश सरकार की कार्यशैली, संवैधानिक संस्थाओं, कुंभाराम लिफ्ट कैनाल और नाम बदलने की राजनीति को लेकर भी बीजेपी पर निशाना साधा।

शिक्षा मंत्री की चुप्पी पर उठाए सवाल

रीटा चौधरी ने कहा कि नीट परीक्षा में हुई धांधली के मामले में सबसे दुखद बात यह है कि शिक्षा मंत्री न तो जिम्मेदारी ले रहे हैं और न ही इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा कि पहले मंत्री नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया करते थे।उन्होंने कहा कि कांग्रेस नीट पेपर लीक से प्रभावित लाखों स्टूडेंट्स को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संवैधानिक संस्थाओं पर नियंत्रण का आरोप

रीटा चौधरी ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार ने देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव आयोग हो, सुप्रीम कोर्ट हो या अन्य संस्थाएं, सरकार किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की संस्थागत व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हुई है और सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कुंभाराम लिफ्ट कैनाल को लेकर भी साधा निशाना

कुंभाराम लिफ्ट कैनाल योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने इस महत्वपूर्ण योजना को शुरू किया था, लेकिन वर्तमान सरकार इसे सही तरीके से संचालित नहीं कर पा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पानी की सुविधा शुरू होने के बावजूद अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार पूर्व कांग्रेस सरकारों की जनहित योजनाओं और कानूनों को खत्म करने का काम कर रही है।

नॉन वाटरशेड परियोजना से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई दिशा- डॉ. आर. रवि

नाबार्ड और डालमिया संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में कुतुबपुरा में प्रोजेक्ट का उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और रामकृष्ण जयदयाल डालमिया सेवा संस्थान द्वारा ग्राम कुतुबपुरा में नॉन वाटरशेड प्रोजेक्ट का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक डॉ. आर. रवि बाबू ने वर्षाजल संग्रहण कुंड व पुनर्भरण कूप का उद्घाटन करते हुए कहा कि मालूपुरा में इस परियोजना की सफलता के बाद अब कुतुबपुरा में इसे लागू किया गया है। इससे ग्रामीण विकास को एक नई दिशा मिलेगी। परियोजना के तहत ग्राम जलग्रहण समिति के सहयोग से जल संरक्षण, कुंड बागवानी, अजोला एवं वर्मी कंपोस्ट इकाइयों का संचालन किया जाएगा। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों में जिला विकास प्रबंधक सौरभ नागपाल, एलडीएम अमरसिंह और बैंक ऑफ बड़ौदा के निदेशक मनोज शर्मा शामिल रहे, जिन्होंने ग्रामीणों को बैंकिंग और रोजगारपरक प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी दी। संस्थान के परियोजना प्रबंधक भूपेंद्र पालीवाल ने विगत 23 वर्षों के विकास कार्यों का विवरण दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मंडावा किंग्स बनी नाइट क्रिकेट चैंपियन, रोमांचक फाइनल के साथ टूर्नामेंट का भव्य समापन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। कस्बे के वार्ड नंबर 20 के पीछे स्थित बाल भारती विद्या निकेतन खेल मैदान में आयोजित छह दिवसीय नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का बुधवार देर रात भव्य समापन हुआ। 20 जून से 25 जून तक चले इस प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। फाइनल मुकाबले में हरीश चावला के नेतृत्व वाली मंडावा किंग्स टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया और विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। टूर्नामेंट के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी मैदान में पहुंचे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें दोनों टीमों ने जीत के लिए पूरा दमखम लगाया। हालांकि निर्णायक क्षणों में मंडावा किंग्स के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का परिचय देते हुए विजय हासिल की। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को ट्रॉफी और नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। विजेता टीम मंडावा किंग्स को निर्धारित 11 हजार रुपये की पुरस्कार राशि के साथ समाजसेवी मुकेश बुडानिया की ओर से अतिरिक्त 2,100 रुपये प्रदान किए गए। इस प्रकार विजेता टीम को कुल 13,100 रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। वहीं उपविजेता टीम को 5,100 रुपये की निर्धारित राशि के साथ राजेश रणजीरोत द्वारा अतिरिक्त 1,100 रुपये दिए गए, जिससे कुल पुरस्कार राशि 6,200 रुपये हो गई। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए विशेष पुरस्कारों की भी व्यवस्था की गई थी। फाइनल मुकाबले के दौरान लगातार दो चौके लगाने वाले खिलाड़ी को दिलराज सिंह की ओर से 1,100 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, जिससे मैदान में मौजूद खिलाड़ियों और दर्शकों में उत्साह का माहौल बन गया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय युवाओं और खेल प्रेमियों का विशेष सहयोग रहा। टूर्नामेंट के आयोजन हेतु आयुष बुडानिया द्वारा 15 हजार रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई, जिससे प्रतियोगिता के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण सहायता मिली।आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देना तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच उपलब्ध कराना था। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन और खेल भावना का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला। टूर्नामेंट की सफलता में कृष्णा चावला एवं दौलतराम चावला का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा। दोनों ने लगातार पांच दिनों तक मैदान पर रहकर व्यवस्थाओं का संचालन किया और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन समारोह में खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और गणमान्य नागरिकों ने विजेता टीम को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतियोगिता के सफल समापन के साथ ही क्षेत्र के खेल प्रेमियों में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

संकट मोचन बालाजी धाम के 11वें वार्षिक उत्सव पर निकली भव्य कलश यात्रा, महिलाओं ने किया उत्साहपूर्ण सहभाग

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। लुमास का बास (वाहिदपुरा ग्राम पंचायत)। संकट मोचन बालाजी धाम के 11वें वार्षिक उत्सव का आयोजन गांव लुमास का बास में श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-अर्चना और भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बालाजी महाराज के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। मंदिर महंत केशर देव शर्मा के सानिध्य में कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। उत्सव के तहत 11 युगल दंपतियों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। इनमें महेश-सुमित्रा, सुरेंद्र कालेर-उम्मेद, राकेश-उर्मिला, श्याम शेखावत-बिंदिया, रामप्रताप-सुनीता, पवन-किरण, प्रमोद-मीरा, विमलेश-सुप्रिया तथा दयाचंद-सुनीता सहित अन्य दंपतियों ने पूजन संपन्न कराया। पूजन के पश्चात डीजे की मधुर धार्मिक धुनों के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा मंदिर परिसर से प्रारंभ होकर गांव के आम चौक सहित प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। कलश यात्रा में महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भक्ति गीतों के साथ सहभागिता निभाई, वहीं पुरुष एवं युवा भी पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर पुजारी केशर देव शर्मा एवं फूलचंद जांगिड़ ने बालाजी महाराज को विधिवत भोग अर्पित कर आरती संपन्न कराई। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया, जिसे सभी ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। उत्सव को सफल बनाने में किशोर सिंह, अनिल हुड्डा, शिवकरण सिंह शेखावत, बाबूलाल जांगिड़, बलबीर बुगालिया, विद्याधर कालेर, रामधन बुगालिया, किशन हुड्डा, रामनिवास कालेर, पवन कालेर, शुभकरण बुगालिया, कुलड़ा राम जांगिड़, मनोज बिशु, मनोज झाझड़िया सहित अनेक ग्रामीणों, महिलाओं एवं युवाओं का उल्लेखनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। पर्यावरण प्रेमी संजय शर्मा की प्रेरणा से कलश यात्रा में शामिल महिलाओं के माध्यम से 150 पौधों का रोपण कराया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों से पर्यावरण को स्वच्छ एवं शुद्ध बनाए रखने तथा अधिकाधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। धार्मिक आस्था, सामाजिक सहभागिता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश से जुड़ा यह आयोजन ग्रामीण क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने इसे एक यादगार उत्सव के रूप में मनाया।

उरीका में युवक की संदिग्ध मौत पर बवाल, ग्रामीणों ने शव रखकर किया प्रदर्शन; अवैध शराब कारोबार पर उठे सवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.सूरजगढ़।

क्षेत्र के उरीका गांव में एक युवक की संदिग्ध मौत के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। मृतक की पहचान उरीका निवासी संजय नायक के रूप में हुई है। घटना के विरोध में परिजनों और ग्रामीणों ने शव को रखकर प्रदर्शन किया तथा प्रशासन से न्याय की मांग की। मृतक के भाई संदीप नायक ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि संजय को मजदूरी के लिए बुलाया गया था। आरोप है कि मजदूरी देने के बजाय उसे जहरीली शराब पिलाई गई। इसके बाद पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ और संजय के साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। परिजनों के अनुसार संजय अपने परिवार का एकमात्र सहारा था। उसके निधन से पत्नी और छोटे बच्चे के सामने जीवन-यापन का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध रूप से शराब की तीन शाखाएं संचालित हो रही हैं, जहां हरियाणा निर्मित शराब बेची जाती है। उनका कहना है कि इस संबंध में कई बार प्रशासन और पुलिस को शिकायत दी गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि शराब ठेकेदार दबंगई के बल पर अवैध कारोबार चला रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने मृतक परिवार को उचित मुआवजा, पत्नी को सरकारी नौकरी तथा बच्चों के पालन-पोषण की व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और अवैध शराब के ठिकानों को तत्काल बंद करने की मांग उठाई। घटना की सूचना पर सीआई रणजीत सेवदा के नेतृत्व में पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत कर स्थिति को शांत करने का प्रयास किया। समाचार लिखे जाने तक क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ था और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए थे।

अवैध शराब कारोबार पर उठे सवाल, कार्रवाई नहीं होने से बढ़ रहा आक्रोश

उरीका की घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि हरियाणा बॉर्डर से सटे क्षेत्रों तथा नेशनल हाईवे किनारे स्थित शराब ठेकों पर नियमों के उल्लंघन और अवैध गतिविधियों को लेकर समय-समय पर मीडिया में खबरें प्रकाशित होती रही हैं, लेकिन संबंधित विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जाती।ग्रामीणों का आरोप है कि शराब ठेकों के संचालन के लिए निर्धारित नियम-कायदों की नियमित जांच होनी चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर नियमों की अनदेखी की जा रही है। लोगों का कहना है कि ठेकेदारों की दबंगई के चलते आमजन में असंतोष बढ़ रहा है और इससे यह संदेश जा रहा है कि जिम्मेदार विभाग शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा।ग्रामीणों ने प्रशासन और आबकारी विभाग से मांग की है कि क्षेत्र के सभी शराब ठेकों की निष्पक्ष जांच कर नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके और आमजन का विश्वास कायम रहे।

पशुपालन केबिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्ननिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

● मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.

● फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

लक्ष्मणगढ़ की खुशबू सैनी सीएफए लेवल 2 की परीक्षा उत्तीर्ण कर लहराया सफलता का परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

फाइनेंस और इन्वेस्टमेंट की दुनिया का सबसे बड़ा ग्लोबल कोर्स है व फाइनेंस की दुनिया का गोल्ड स्टैंडर्ड कोर्स के नाम से जाना जाता है। परीक्षा अमेरिका की सीएफए इंस्टीट्यूट की ओर से ऑनलाइन आयोजित होती है जिसमें पूरे विश्व के विधार्थी शामिल होते हैं। अमेरिका की सीएफए इंस्टीट्यूट की ओर से गुरुवार को लेवल 2 के घोषित परिणाम में लक्ष्मनगढ की लाडली ने सफलता का परचम लहराते हुए परीक्षा उत्तीर्ण कर एक नया इतिहास रचते हुए कीर्तिमान स्थापित कर रिकॉर्ड कायम किया है। यहां पिंजरापोल गौशाला के सामने स्थित

प्रतिष्ठित गौड़ परिवार के स्व.रामदत्त गौड़ सैनी की सुपौत्री लक्ष्मनगढ हाल मुम्बई निवासी राधेश्याम गौड़ की सुपुत्री खुशबू सैनी ने अपने पहले ही प्रयास में सीएफए लेवल 2 की परीक्षा उत्तीर्ण करने में सफलता हासिल की है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिजनों व गुरूजनों को दिया है। खुशबू की बड़ी बहन रितू भी चार्टेड अकाउंटेंट है। खुशबू की शानदार सफलता पर पारिवारिक सदस्यों व शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में 3 लेवल होते हैं । जिसमें प्रथम लेवल बेसिक टूल्स, इकोनॉमिक्स, अकाउंटिंग, दूसरा लेवल एसेट वैल्यूएशन, एनालिसिस, तीसरा लेवल पोर्टफोलियो मैनेजमेंट का होता है। तीसरे लेवल की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सीएफए को इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट, इक्विटी रिसर्च में जॉब है जिसकी दुनिया भर में मान्यता है।

मुहर्रम पर मण्डावा में निकला ताजिया जुलूस, युवाओं के करतबों ने बांधा समां

भीम प्रज्ञा न्यूज मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। कस्बे में शुक्रवार को मुहर्रम के अवसर पर मुस्लिम समुदाय द्वारा पारंपरिक ताजिया जुलूस श्रद्धा, अनुशासन और धार्मिक आस्था के साथ निकाला गया।इमामबाड़े से प्रारंभ हुआ जुलूस बड़ी मस्जिद, चिमट्टा चौक सहित विभिन्न मार्गों से होकर खत्री हाउस पहुंचा। ढोल-ताशों की मातमी धुनों के बीच निकले जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए और हजरत इमाम हुसैन की शहादत को श्रद्धापूर्वक याद किया। जुलूस के दौरान युवाओं ने पारंपरिक हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। विभिन्न स्थानों पर प्रस्तुत किए गए इन करतबों को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मार्ग के दोनों ओर जुटे रहे। धार्मिक उत्साह और अनुशासन के साथ निकले जुलूस में समाज के युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

मुहर्रम के अवसर पर समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों को याद करते हुए फातिहा पढ़ी तथा इबादत की। वक्ताओं ने बताया कि कर्बला की जंग में हजरत इमाम हुसैन ने सत्य, न्याय और इंसानियत की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। उनकी कुर्बानी आज भी मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। जुलूस मार्ग पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की ओर से छबीलों का आयोजन किया गया। जहां राहगीरों एवं जुलूस में शामिल लोगों को ठंडा पानी और शर्बत वितरित किया गया। भीषण गर्मी के बीच सेवा कार्यों की लोगों ने सराहना की। शाम को धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार ताजिया को कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। पूरे आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थानाधिकारी राम नारायण चोयल एवं एसआई संजीव मील पुलिस जाब्ते के साथ मौजूद रहे और जुलूस की व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रखी। इस अवसर पर मुस्लिम समाज के मेन सदर अनवर नयारिया, आमीन छोटू मौम, बबलू, जाकिर, याकूब, हनीफ, सोहेल, शाहिद, समीर, लाली, रोशन, आसिफ सहित समुदाय के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सिलारपुर-नाघोड़ी की जर्जर 11 केवी लाइन बदलने की मांग पर ग्रामीणों का धरना, प्रशासन के आश्वासन पर समाप्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। दौलतसिंहपुरा की नया कुआं की ढाणी में गुरुवार 26 जून को 11 केवी लाइन टूटने से बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना मिलते ही नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी अपनी टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और प्रशासन को हालात से अवगत कराया। ग्रामीणों के साथ सैनी पूरे दिन और रात मौके पर डटे रहे और सिलारपुर-नाघोड़ी तक जाने वाली वर्षों पुरानी जर्जर लाइन को पूरी तरह बदलने की मांग की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने स्थायी समाधान करने के बजाय केवल हादसा स्थल के पास क्षतिग्रस्त तार

बदलकर 24 घंटे के भीतर लाइन चालू कर दी, जबकि सिलारपुर-नाघोड़ी की पूरी लाइन अभी भी जर्जर हालत में है। 24 घंटे बिजली गुल रहने से ग्रामीणों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। नगर अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सिलारपुर-नाघोड़ी की संपूर्ण लाइन नहीं बदली गई तो ग्रामीणों के साथ मिलकर पुनः धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन के दौरान पवन कुमार, रामरख, मंगतूराम, अनूप यादव, प्रशांत शर्मा, भगवान सिंह, पन्नालाल, राजेंद्र, सत्यपाल, संजय झगड़ोलिया, रणवीर, धर्मपाल, महेंद्र, जोरावर, कृष्ण, अमित सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जल्द लाइन बदलने के आश्वासन के बाद धरना समाप्त किया गया।

मंडावा को मिले नए एसडीएम, कार्यभार ग्रहण करते ही सुशासन और जनसेवा को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा। मंडावा उपखंड में नव नियुक्त एसडीएम विश्वामित्र मीणा ने आज अपना कार्यभार ग्रहण किया। मंडावा पहुंचने पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर तथा तहसीलदार मुकेश कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका अभिनंदन कर शुभकामनाएं दीं। कार्यभार संभालने के बाद मीणा ने कहा कि आमजन को त्वरित एवं पारदर्शी प्रशासन उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनहित को सर्वोपरि

रखने का आह्वान किया। नवीन एसडीएम के पदभार ग्रहण करने पर क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनसे मंडावा के विकास और सुशासन को नई गति मिलने की उम्मीद जताई।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष नरेश कुमार सैनी ने सीकर जिले की कार्यकारिणी की घोषित

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, ओबीसी

कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष हरसहाय यादव, जिला अध्यक्ष सुनीता गठाला के निर्देशानुसार कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेश कुमार सैनी के द्वारा सीकर जिले की कार्यकारिणी की शुक्रवार को घोषणा की । घोषित कार्यकारिणी में जिला संगठन महासचिव सुशील सैनी , कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मारोठिया, उपाध्यक्ष महेंद्र गुर्जर ,अल्ताफ हुसैन भाटी, विनोद सोनी, कानाराम गुजर, मनीष जांगिड़, प्रतापराम सैनी,शंकर लाल सैनी को नियुक्त किया गया है। जबकि एडवोकेट चुन्नीलाल सैनी, मोहम्मद इकबाल, सुरेश गुर्जर, अरविंद बिलखीवाल, सुल्तान राम जाखड़, मोतीलाल कारोडिया, साजिद रंगरेज को जिला महासचिव बनाया गया है। कार्यकारिणी में भगवानाराम बगड़िया, राधेश्याम कुमावत, देवेंद्र सैनी, सरजुदीन तेली,गणपत राम सैनी, विपिन वैष्णव, सुभाष परसावल, सुरेश कुमावत, हरफूल मुवाल, अमरसिंह पंवार, कैलाश कुमावत, लक्ष्मण योगी बीरबल कुमावत, उम्मेद गुजर, सुरेश स्वामी, श्रवण कुमावत, प्रवीण जांगिड़, संदीप तंवर ,दीपक सैनी को जिला सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। जिला प्रवक्ता सुनील घोराणा एवं जिला सोशल मीडिया प्रभारी खुर्शीद पठान को नियुक्त किया गया है।

उमरावगढ़ के बाबा खेतानाथ मंदिर में धूमधाम से मना मासिक द्वादशी उत्सव, सत्संग-भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद। उमरावगढ़ स्थित बाबा खेतानाथ मंदिर में शुक्रवार को मासिक द्वादशी पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर महंत बाबा शंकरनाथ महाराज के सानिध्य में सत्संग एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। मंदिर के पुजारी महंत महत्वनाथ महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा खेतानाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर भोग अर्पित किया। इसके पश्चात भंडारे का शुभारंभ किया गया, जहां भक्तों ने पंक्ति में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। सत्संग के दौरान महंत शंकरनाथ महाराज ने अपने प्रवचनों में सच्ची भक्ति और सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में स्थानीय भजन मंडली के लोक गायक एडवोकेट हरिओम जांगिड़, ताराचंद योगी और अजय फौजी ने भक्ति रस से ओतप्रोत भजनों की मधुर प्रस्तुति दी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। भंडारे की संपूर्ण

व्यवस्था अहीर बासना, मुंडावर निवासी जगदीश प्रसाद यादव द्वारा की गई थी। वहीं, आशावाली ढाणी के धर्मपाल और आजाद सिंह ने मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं के लिए ठंडे शरबत और मीठे पानी की छबील लगाकर सेवा की। इस धार्मिक आयोजन में रामपाल कुमावत, किशोरीलाल जांगिड़, पीके जांगिड़, रतनकुमार जांगिड़, महेंद्र यादव, गंगाराम सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मासिक कीर्तन में रिझाया बाबा श्याम को

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

श्याम सखा परिवार के 28वें मासिक एकादशी कीर्तन का आयोजन मोरी गेट स्थित हुडिलवाला सदन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अशोक हुडीलवाला द्वारा बाबा श्याम की ज्योति प्रज्वलन से हुई। श्याम सखा परिवार के पवन शर्मा निर्मल, जयकांत खरादी, गणेश नारनोली, रामगोपाल रोड़ा, महेश रोड़ा, पवन खादूवाला, राकेश पारीक, कमल सैनी, दीपक रोड़ा, हंसा कुमावत, हेमंत पाराशर, लक्ष्य भातरा, सिद्धि शर्मा, मोनू मिश्रा, यश खरादी, गर्वित शर्मा आदि ने बाबा श्याम के भजनों की प्रस्तुति दी। बाबा श्याम के मासिक कीर्तन में देर रात बाबा के भक्त नाचते रहे। कार्यक्रम में सतीश पारीक, हरीश पारीक, संतोष जोशी बहादुरगढ़ व सिद्धार्थ पारीक रतनगढ़ ने आगंतुकों का मोती माला व दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर नथमल पारीक, नरोत्तम हुडीलवाला, रामस्वरूप हरितवाल, पूर्व नेता प्रतीपक्ष ललित पुरोहित, सज्जन पारीक, दीनदयाल जोशी, विनोद बनाईवाला, प्रमोद मंगलूनेवाला, गणेश सोनी, राजकुमार सैन, धनराज गायकवाड़, भाजपा जिला मंत्री डॉ अर्चना पुरोहित, दीपक चांदोलिया, पूर्ण सिंह, श्याम सिंह गौड़, मनीष शर्मा, जगदीश सैनी, मनीष मिश्रा, मयंक गोयनका, पुरुषोत्तम दायमा, पूनम टेलर, गगन जोशी सहित काफी संख्या में श्याम प्रेमी उपस्थित थे।

निर्जला एकादशी पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा फल वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, झुंझुनूं द्वारा कच्ची बस्ती में आम एवं केले का वितरण किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट सदस्यों ने आमजन एवं जरूरतमंद लोगों को फल वितरित कर सेवा, परोपकार एवं मानवता का संदेश दिया। झुंझुनूं प्रभारी मनोज कुमार गनोलिया ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा पिछले छह वर्षों से लगातार निर्जला एकादशी के अवसर पर फल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाना एवं समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना है। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने कहा कि निर्जला एकादशी का धार्मिक एवं सामाजिक

दृष्टि से विशेष महत्व है। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को आम एवं केले वितरित किए गए। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों एवं सहयोगियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ट्रस्ट की ओर से कहा गया कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सहयोग, सद्भावना एवं मानव सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे जनसेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के कार्यकर्ता सुरेश सीमार, राजेंद्र कनोड़िया, नरोत्तम जी एवं प्रदीप दुलगच ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती पर कांग्रेस ने किया नमन, सामाजिक न्याय के संदेश को बताया प्रासंगिक

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट रेवाड़ी के जिला कार्यालय में शुक्रवार को आरक्षण के जनक एवं महान समाज सुधारक छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लेकर शाहूजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने छत्रपति शाहूजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि शाहूजी महाराज ने वंचित, पिछड़े और शोषित वर्गों के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उन्होंने शिक्षा और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए, जिनका लाभ आज भी समाज के कमजोर वर्गों को मिल रहा है।उन्होंने कहा कि शाहूजी

महाराज ने सामाजिक समानता, भाईचारे और न्याय का संदेश दिया तथा समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष किया। उनके विचार वर्तमान समय में और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। समाज में समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए उनके आदर्शों को अपनाने की आवश्यकता है।कार्यक्रम में वक्ताओं ने शाहूजी महाराज के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा, आरक्षण और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए। उनका जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। इस अवसर पर बनवारी लाल ठेकेदार, सत्यनारायण निखरी, सचिन, सुदेश, नवनीत, हरिदास, राहुल, मिथलेश, आशीष, इंदरजीत, शंकर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टोहाना के एडवोकेट रणबीर खोबड़ा हरियाणा भीम आर्मी के हिसार डिवीजन के सह-संयोजक हुए नियुक्त

एडवोकेट रणबीर खोबड़ा हिसार, हांसी,फतेहाबाद, सिरसा जिलों के बने भीम आर्मी लीगल विंग सह-संयोजक प्रदेश प्रवक्ता लीगल विंग

एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने बताया शीघ्र होगी और नियुक्तियां

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा, । टोहाना के एडवोकेट रणबीर खोबड़ा हरियाणा भीम आर्मी (लीगल विंग) के हिसार डिवीजन के सह संयोजक पद पर नियुक्त हुए। यह नियुक्ति हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता व आठ जिलों के प्रभारी

एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार फरीदाबाद व आल इंडिया भीम आर्मी लीगल विंग के राष्ट्रीय चेयरमेन मोहन श्याम आर्य से सलाह कर रणबीर खोबड़ा की हिसार डिवीजन के

सह संयोजक के पद पर नियुक्ति की सिफारिश की। रणबीर खोबड़ा ने अपनी नियुक्ति पर भीम आर्मी लीगल विंग के सभी वरिष्ठ पदाधिकारीयों का धन्यवाद किया तथा अपने पद की प्रतिष्ठा के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया।

मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष का बीकानेर में हुआ भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ डी के. मेघवाल के बीकानेर पहुंचने पर संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मेघवाल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को पारंपरिक साफा पहनाकर और माला अर्पण कर उनका आदर-सत्कार किया। इस खास मौके पर एडवोकेट किशन मेघवाल और राकेश मेघवाल सहित भारी संख्या में समाज और संगठन के लोग मौजूद रहे। वहां उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष को माला पहनाकर उनका अभिवादन किया। कार्यकर्ताओं के इस अपार स्नेह और स्वागत से अभिभूत होकर राष्ट्रीय अध्यक्ष

डॉ डी के. मेघवाल ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष को अपनी शुभकामनाएं दीं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने व समाज हित में निरंतर कार्य करने की बात कही।

ट्रैक्टर से कुचलकर पिता की हत्या: बेटे ने मारपीट की, घसीटते हुए सड़क पर ले गया; जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

झुंझुनूं के खेतड़ी इलाके में बेटे ने जमीनी विवाद में ट्रैक्टर से कुचलकर पिता की हत्या कर दी। बेटे ने पिता से मारपीट की और घसीटते हुए सड़क पर ले आया। घटना मेहाड़ा थाना क्षेत्र के गांव ढोसी में गुरुवार रात करीब 10:30 बजे की है। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। बेटे और पिता में 30 बीघा जमीन को लेकर तीन साल से विवाद चल रहा था। थानाधिकारी राममनोहर ठोलिया ने बताया- महावीर प्रसाद (65) की हत्या की गई है। बेटे शमशेर सिंह (38) को पकड़ लिया है। घटना को लेकर बाढ़ड़ा निवासी राकेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राकेश कुमार ने बताया- महावीर

प्रसाद उसके ससुर थे। विवाद के चलते शमशेर अपने पिता से अलग रहता था।

धर्मशाला के पास बैठे थे

राकेश कुमार ने बताया- गुरुवार को उनके ससुर घर पर अकेले थे, उनकी पत्नी रिश्तेदारों के यहां घरड़ाना गांव गई हुई थी। रात करीब 10:30 बजे महावीर प्रसाद धर्मशाला के पास बैठे थे। इसी दौरान शमशेर सिंह वहां आया और पिता से मारपीट करने लगा।

पिता को घसीटते हुए सड़क पर लाया, टक्कर मारी

मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन शमशेर सिंह रुका नहीं और अपने पिता को पीटता रहा और घसीटते हुए सड़क पर ले आया। इसके बाद उसने वहां खड़े ट्रैक्टर से पिता को कुचल दिया। महावीर प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद उन्हें तुरंत खेतड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बेटा-बेटियों में बराबर बांटना चाहते थे जमीन

थानाधिकारी ने बताया- पिता और बेटे के बीच ढोसी गांव में 30 बीघा जमीन को लेकर तीन साल से विवाद चल रहा है। महावीर प्रसाद चाहते थे कि ये जमीन चारों बेटियों और बेटे शमशेर में बराबर बांटी जाए, जबकि शमशेर पूरी जमीन पर अपना हक चाहता था। मामले को लेकर कई बार रिश्तेदारों ने समझाइश भी की थी। महावीर प्रसाद खेती करते थे।

ट्रस्ट चलाएगा सुपर-50 कार्यक्रम, प्रत्येक विद्यार्थी पर खर्च होंगे तीन लाख

भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट 50 प्रतिभावान बच्चों को दिखाएगा बेहतर भविष्य की राह

करियर काउंसलिंग कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने की घोषणा

प्रतिभाशाली बच्चों को मिलेंगे आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर: मेघवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । जिले के 50 प्रतिभावान और जरूरतमंद युवाओं को करियर चयन में सहायता, संसाधन, मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से 'सुपर-50' कार्यक्रम चलाया जाएगा। इनका चयन एक कमेटी द्वारा किया जाएगा। दसवीं और बारहवीं परीक्षा पास विद्यार्थी, इस योजना के तहत चयनित होंगे जो नीट, यूपीएससी सहित अन्य स्तरीय परीक्षाओं की तैयारी करेंगे। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शुक्रवार को भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि बीकानेर के प्रतिभावान बच्चे अवसर और संसाधनों की कमी के कारण बेहतर करियर से वंचित न रहें, इसके मद्देनजर भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा यह पहल की जा रही है। उन्होंने करियर काउंसलिंग कार्यक्रम किए मुख्य संयोजक श्री रवि शेखर मेघवाल को युवाओं के चयन के लिए कमेटी बनाने तथा चयन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि करियर की बेहतर राह पर ले जाने के लिए प्रत्येक बच्चे पर 3 लाख रुपए तथा कुल डेढ़ करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रतिभावान बच्चों की संख्या अधिक होने पर इसका दायरा बढ़ाया भी जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दिवाली के आसपास वृहद करियर और रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में 2000 से अधिक युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर कंपनियों में रोजगार के अवसर मुहैया करवाए जाएंगे। श्री मेघवाल ने भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा लगातार दूसरे वर्ष आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि युवाओं को बेहतर करियर तक पहुंचने में ट्रस्ट सेतु का कार्य कर रहा है। खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्य नियमित रूप से किया जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में आयोजित करियर काउंसलिंग कार्यक्रम युवाओं के लिए लाभदायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह नए और विकसित भारत के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगा।श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्षरामगोपाल सुथार ने कहा कि युवा असफलता को चुनौती के रूप में लें तथा इससे निराश होने की बजाय अधिक ऊर्जा से आगे बढ़ें। उन्होंने शिक्षा के साथ कौशल क्षमता बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक श्री रवि शेखर मेघवाल में कहा कि सही समय और सही दिशा में बेहतर मार्गदर्शन के अभाव में युवा अपेक्षित सफलता प्राप्त नहीं कर पाते। ऐसे में प्रतिभा के साथ न्याय नहीं हो पाता। इसे ध्यान रखते हुए भावना मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा यह पहल की गई है। उन्होंने बताया कि इसकी शुरुआत गत वर्ष हुई। जिसके बेहतर परिणामों के बाद इसे सतत रूप से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट सेवा, शिक्षा और संस्कार को ध्यान रखते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। श्री मेघवाल ने बताया कि कार्यक्रम के तहत पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को प्रमाण पत्र, डिक्शनरी तथा प्रोत्साहन स्वरूप 500 रुपए प्रदान किया जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बच्चे इस राशि से पुस्तक खरीदें, जो कि उनके लिए उपयोगी साबित हों। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल की दूरगामी सोच के तहत प्रारम्भ होने वाला सुपर-50 कार्यक्रम क्षेत्र के युवाओं के लिए वरदान साबित होगा। श्री ब्रह्म गायत्री सेवाश्रम के अधिष्ठाता दाताश्री रामेश्वरानंद महाराज ने कहा कि अभिभावक अपने बच्चों पर अपने विचार अनावश्यक रूप से ना थोंपे। बच्चों के विचार भी सुने जाएं तथा उन्हें सकारात्मक मार्गदर्शन दें। उन्होंने कहा कि बालक के मन की वृत्ति को समझना भी अभिभावकों का दायित्व है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री मेघवाल सहित सभी अतिथियों में मां सरस्वती, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा सुश्री भावना मेघवाल के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम के दौरान अनेक बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन ओमाराम ढाल ने किया। कार्यक्रम में श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, पूर्व महापौर नारायण चोपड़ा, नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष महावीर रांका, डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य, विजय आचार्य, उपनिदेशक (स्थानीय निकाय) सुशीला वर्मा, संतोषानंद महाराज, दीपक पारीक, दिलीप सिंह पप्पू राम पवार आदि मंच पर मौजूद रहे।

दिनदहाड़े तलाई की खोदाई, ग्रामीणों के विरोध से भागे खननकर्ता

मंडावर थाना क्षेत्र के खेड़ली कलां में अवैध मिट्टी खनन का आरोप, कार्रवाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मण्डावर।

मनोज खंडेलवाल। थाना क्षेत्र के खेड़ली कलां गांव में सार्वजनिक तलाई से कथित अवैध मिट्टी खनन को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। ग्रामीणों के मौके पर पहुंचकर विरोध जताने पर खनन कार्य में लगे लोग जेसीबी मशीन एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियां लेकर वहां से भाग खड़े हुए। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन पर शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। ग्रामीण हरिकिशन लौठा, हर्बल, प्रभुदयाल, उमरेश, सचिन, अंकित, संतराम सहित अन्य लोगों ने बताया कि गांव की तलाई से लंबे समय से मिट्टी का अवैध खनन किए जाने का आरोप है। उनका कहना है कि प्रतिदिन जेसीबी मशीन और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की सहायता से बड़ी मात्रा में मिट्टी निकाली जा रही है, जिससे सार्वजनिक जल स्रोत का अस्तित्व प्रभावित हो रहा है। विरोधकर्ता ग्रामीणों का यह आरोप है कि निकाली गई मिट्टी का उपयोग पास के गांव फुलमंडा में निर्माणाधीन कार्य में भराव के लिए किया जा रहा है।ग्रामीणों के अनुसार विरोध की सूचना मिलते ही खनन कार्य में लगे लोगों में हड़कंप मच गया और वे मशीनों व वाहनों सहित मौके से निकल गए। उनका आरोप है कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार पुलिस एवं खनन व अन्य संबंधित विभागो को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से अवैध खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं। उनका कहना है कि 'जहां कानून की पकड़ कमजोर पड़ती है, वहां संसाधनों पर सबसे पहले चोट होती है। ' आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध खनन में संलिप्त लोगों की पहचान करते हुए उनके खिलाफ नियमानुसार शीघ्र कठोर कार्रवाई करने, सार्वजनिक तलाई एवं सरकारी भूमि को तत्काल संरक्षण देने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण व्यापक जनआंदोलन के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में पूरी तरह से चर्चा का माहौल बना हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस: नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला, दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान-विकसित भारत की पहचान' के तहत 17 से 26 जून 2026 तक जिलेभर में विभिन्न स्तरों पर जनजागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के समापन अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के तहत जागरूकता कार्यशालाएं, शपथ ग्रहण समारोह और जनजागरण गतिविधियां आयोजित की गईं। अभियान के दौरान 'नशा मौज नहीं, मौत है' विषयक फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा सार्वजनिक स्थलों पर कठपुतली शो एवं नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया। जिले के विभिन्न कोचिंग संस्थानों एवं नर्सिंग कॉलेजों में युवाओं को नशे से दूर रहने का संदेश देते हुए 'नशे को ना, जीवन को हां' विषय पर शपथ दिलाई गई। ई-प्रतिज्ञा के माध्यम से भी बड़ी संख्या में लोगों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। टीबी अस्पताल के सभागार में 'नशा करता, जीवन नाश' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में टीबी अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं डी-एडिक्शन क्लिनिक के डॉ. सी. एस. मोदी ने नशे के विभिन्न प्रकार तथा शरीर के अंगों पर उसके दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं पीबीएम अस्पताल के मनोरोग विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीगोपाल ने नशे से होने वाले मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल. डी. पंवार ने कहा कि 'नशा मुक्त भारत अभियान - विकसित भारत की पहचान' को सफल बनाने के लिए सामाजिक सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'नशा भारत छोड़ो' का आह्वान करते हुए कहा कि जनभागीदारी से ही समाज को नशामुक्त बनाया जा सकता है।

भक्ति के सुरों से गूंजा ऊकरूंद, हरिकीर्तन दंगल में राम-कृष्ण और शिव महिमा के प्रसंगों ने बांधा समां

दो दिवसीय संगीतमयी आयोजन का विधिवत हुआ समापन,हरिकीर्तन मंडलियों की प्रस्तुतियों पर देर शाम तक झूमते रहे श्रद्धालु।

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल। उपखंड क्षेत्र के ग्राम ऊकरूंद में पूर्व सरपंच एवं समाजसेवी रामफूल मीना के निवास पर श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ महोत्सव की पूर्णाहुति के उपरांत आयोजित दो दिवसीय संगीतमयी हरिकीर्तन दंगल का शुक्रवार देर शाम श्रद्धा, उल्लास और धार्मिक वातावरण के बीच विधिवत समापन हो गया। गुरुवार प्रातः आरंभ हुआ यह भक्ति महोत्सव शुक्रवार देर शाम तक अनवरत चलता रहा। दूर-दराज़ से पहुंची प्रसिद्ध हरिकीर्तन मंडलियों ने भक्ति, लोकसंस्कृति और धार्मिक प्रसंगों की ऐसी सजीव प्रस्तुतियां दीं कि पूरा पांडाल देर शाम तक 'राम नाम के रस में डूबा रहा, जहां भक्ति का दीप जला, वहां मन से मन और समाज से समाज जुड़ता चला गया।' तालियों की गूंज, जयघोष और भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। आयोजक परिवार के जगमोहन मीना (जेईएन), खुशीराम मीना एवं काडूराम मीना ने बताया कि धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित इस संगीतमयी हरिकीर्तन दंगल में विभिन्न जिलों की ख्यातिप्राप्त हरिकीर्तन पार्टियों ने भाग लिया। मंच पर प्रस्तुत प्रत्येक कथा ने केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि धर्म, मर्यादा, आदर्श जीवन और पारिवारिक मूल्यों का संदेश भी दिया। श्रद्धालुओं ने देर शाम तक एकाग्र भाव से कथाओं का श्रवण किया और कलाकारों का उत्साहवर्धन तालियों की गड़गड़ाहट से किया। मीना सीमला की हरिकीर्तन पार्टी ने लक्ष्मण के तृतीय विवाह प्रसंग को लोकशैली में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए त्याग, समर्पण और धर्मपालन की भावनाओं को जीवंत किया। गुढ़ा बरौली (समरथपुरा) की पार्टी ने भगवान भोलेनाथ की महिमा, उनकी सरलता, भक्तवत्सल स्वरूप और शिवभक्ति के महत्व को मधुर भजनों व संवादों के माध्यम से साकार किया। खानपुर-सपोटरा की मंडली ने भगवान श्रीराम और माता सीता के पावन विवाह प्रसंग का ऐसा मार्मिक मंचन किया कि श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। वहीं नाहरखौहरा की पार्टी ने रावण-मंदोदरी प्रसंग के माध्यम से अहंकार, नीति, धर्म और जीवन मूल्यों का संदेश देते हुए यह दर्शाया कि शक्ति तभी सार्थक है, जब उसके साथ विवेक और मर्यादा भी हो। प्रत्येक प्रस्तुति में लोकधुनों, संवादों और भजनों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। इस अवसर पर राजाराम सरपंच, गिरधारी जगराम मीना, रामावतार मीना, द्वारकाराम मीना, अंकेश मीना, घनश्याम योगी, लालू मीना, तीतर मीना, धर्मसिंह मीना, रामचंद्र मीना, रामखिलाड़ी, केवलराम मीना, मोती प्रजापत, खुशीराम प्रजापत, कालूराम बैरवा, रामेश्वर मीना, काडूराम मीना, जितेश मीना, मेघराम मीना, उमाशंकर मीना, रघुवीर मीना, जगदीश मीना सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, पंच-पटेल तथा हजारों की संख्या में महिला व पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भुना पुल पर फतेहाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 621 पेटी अवैध शराब सहित ट्रक पकड़ा

पंजाब से गुजरात ले जाई जा रही थी शराब की खेप, एक तस्कर गिरफ्तार; नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीआईए टोहाना की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 621 पेटियों से भरा एक ट्रक पकड़कर लाखों रुपये की अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर ट्रक को कब्जे में ले लिया। सीआईए टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रक नंबर HR-47E-4617 में भारी मात्रा में अवैध शराब भरकर नेशनल हाईवे स्थित भुना पुल के रास्ते ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रणनीतिक ढंग से नाकाबंदी कर संदिग्ध ट्रक को रोक लिया। तलाशी के दौरान ट्रक से 621 पेटियां अवैध शराब बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से सिरसा जिले के गांव चाहरवाला निवासी नरेश पुत्र दलीप को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि शराब की खेप पंजाब से गुजरात ले जाई जा रही थी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब कहां से लोड की गई थी, इसकी डिलीवरी किसे दी जानी थी और इस पूरे नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है। फतेहाबाद पुलिस ने कहा कि जिले में अवैध शराब, नशा तस्करी और संगठित अपराधों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे मामलों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती भविष्य की आवश्यकता बनती जा रही है-कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज

गांव बेवल में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,हिसार के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज बेवल के किसान करण सिंह व महाबीर के कृषि फार्म पर पहुंचे

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। अटेली विधानसभा के गांव बेवल में शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ द्वारा गांव आयोजित जिला स्तरीय प्राकृतिक खेती जागरूकता व खेत दिवस कार्यक्रम जागरूकता अभियान में पहुंचे। जागरूकता अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों से संवाद कर गोष्ठी को संबोधित किया। इस मौके पर विभिन्न स्तर की प्रदर्शनी लगायी हुई थी। गांव बेवल के प्रगतिशील किसान करण सिंह व महाबीर के खेत पर पहुंचकर कृषि विज्ञान केन्द्र, महेन्द्रगढ़ द्वारा प्राकृतिक खेती के अंतर्गत स्थापित विभिन्न फसल प्रदर्शनों का अवलोकन किया तथा उनकी प्रगति का निरीक्षण किया। कुलपति प्रो. कांबोज ने बाजरा एवं कपास की फसलों का भी विस्तृत भ्रमण किया। उन्होंने खेतों में उपस्थित किसानों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, चुनौतियों एवं सुझावों की जानकारी ली। किसानों ने प्राकृतिक खेती, फसल संरक्षण, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग से सम्बन्धित अपनी जिज्ञासाएं एवं समस्याएं उनके समक्ष रखीं। कुलपति ने कृषि विज्ञान केन्द्र, महेंद्रगढ़ के वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे किसानों के खेतों का नियमित भ्रमण कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध एवं वैज्ञानिक समाधान सुनिश्चित करें। अपने संबोधन कुलपति ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय का उद्देश्य केवल नई तकनीकों का विकास करना ही नहीं, बल्कि उन्हें प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुंचाकर उनकी आय बढ़ाना एवं खेती को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाना भी है। उन्होंने फसल चक्र में दलहनी फसलों के समावेश के बारे में किसानों को बताया। उन्होंने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती भविष्य की आवश्यकता बनती जा रही है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद कैंपस स्कूल, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की निदेशिका संतोष कुमारी ने महिला किसानों से संवाद किया। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. नरेश कौशिक ने बताया कि किसानों से प्राकृतिक खेती की तकनीकों को वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार, उत्पादन लागत में कमी तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत जिला के विभिन्न गांवों में 1 जून से 30 जून तक किसान जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण शिविर, किसान गोष्ठियां आदि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने किसानों को मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रयोग, फसल अवशेषों के वैज्ञानिक प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीकों, फसल विविधीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती तथा एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में अवगत कराया जा रहा है। देश भर में चलाये जा रहे खेत बचाओ अभियान का समापन कार्यक्रम 30 जून को क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान, बावल, रेवाड़ी में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। केन्द्र के संयोजक डा. सत्यजीत ने बताया कि कुलपति महोदय के निर्देशन व मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय प्राकृतिक खेती एवं उन्नत कृषि तकनीकों के अधिकाधिक प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक किसानों के खेतों पर नियमित भ्रमण कर उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं तथा समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक आधार पर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा जिले में प्राकृतिक खेती के विभिन्न प्रदर्शन स्थापित किए गए हैं, जिनसे किसानों को नई तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो रहा है।कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने उपस्थित किसानों को प्राकृतिक खेती से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी तथा फसल प्रबंधन के संबंध में आवश्यक सुझाव भी प्रदान किए। कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती करने वाले जिला के विभिन्न गांवों के 10 किसानों व महिलाओं को उनके द्वारा प्राकृतिक खेती में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिये सम्मानित किया गया। गांव के सरपंच योगेंद्र कुमार ने कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों व बाहर से आने वालों को स्वागत अभिनंदन किया। जागरूकता अभियान में जिला अध्यक्ष, भारतीय किसान संघ राजकुमार, उपमंडल कृषि अधिकारी डा. अजय यादव,पूर्व प्रधान वैज्ञानिक चौ. च. सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय डा. अशोक यादव, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार, डा. नरेन्द्र सिंह, डा. राजपाल यादव, डा. पूनम, डा. आशीष शिवरान सहित अनेक महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया।

एचटेट परीक्षा को लेकर सीटीएम गौरव गुप्ता ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

सीटीएम गौरव गुप्ता ने परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्द

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा। आगामी 4 व 5 जुलाई को आयोजित होने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से सीटीएम गौरव गुप्ता ने शुक्रवार को डीएसपी संजय बिश्नोई एवं डिप्टी डीईओ अजय कुमार के साथ जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।सीटीएम ने परीक्षा केंद्रों के कमरों में बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बिजली तथा साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त कर ली जाए ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि एचटेट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के ब्लॉक अध्यक्ष बने गोवर्धन कुमावत

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

कांग्रेस ओबीसी विभाग के लक्ष्मणगढ़ शहर ब्लॉक अध्यक्ष पद पर गोवर्धन कुमावत को नियुक्त किया गया है।

ईडी की जांच तेज, पूर्व सीएम विजयन की बेटी को तीसरी बार समन की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मासप्पड़ी (मासिक भुगतान) मामले में जांच तेज की है। एजेंसी जांच रही है कि क्या कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) को 2017-2020 के दौरान एलडीएफ सरकार से विशेष लाभ मिला, इसके बदले मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा विजयन की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस को भुगतान हुआ। ईडी इस क्विड प्रो क्वो (लेन-देन के बदले लाभ) मान रहा है। वीणा विजयन से हाल ही में कोच्चि ईडी कार्यालय में 10 घंटे से अधिक पूछताछ हुई, यह उनकी दूसरी पेशी थी। सूत्रों के अनुसार, उन्हें जल्द ही तीसरी बार बुलाया जा सकता है। केरल हाईकोर्ट की अनुमति से नया समन जारी हुआ। वह अपने पति, मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास के साथ ईडी कार्यालय पहुंची थीं। यह पूछताछ तब हुई, जब ईडी को कोच्चि कंपनी कोर्ट से गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) की चार्जशीट के 134 संलग्न दस्तावेज मिले। सीएमआरएल के विरोध के बावजूद अदालत ने आपत्ति खारिज की, और ईडी अब इन्हीं दस्तावेजों पर जांच बढ़ा रहा है। ईडी ने वीणा विजयन से एक्सालॉजिक-सीएमआरएल वित्तीय लेन-देन और सीएमआरएल को मिले कथित विशेष लाभों पर सवाल किए। वीणा विजयन ने कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट को वैध बताया, पर ईडी उनके स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं है। यह मामला आयकर निपटान आयोग की उन टिप्पणियों से उपजा है, जिनमें कहा गया था कि सीएमआरएल ने 2017-2020 के बीच एक्सालॉजिक को कंसल्टेंसी शुल्क के नाम पर 1.72 करोड़ रुपये दिए, बिना किसी कथित सेवा के। इन्हीं निष्कर्षों पर एसएफआईओ की जांच के बाद, ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया।

शंकराचार्य की कालजयी सीख : स्वयं को जानकर पाएं आंतरिक शांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी तकदीर बदलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं? आदि शंकराचार्य की एक कालजयी सीख हमें स्वयं को जानने की अहमियत बताती है। उन्होंने कहा था, स्वयं को जानना ही जीवन का सबसे बड़ा सत्य है, इसके बिना सब कुछ व्यर्थ है। इसका सीधा अर्थ है कि बाहरी वस्तुओं और पहचानों (जैसे नाम, काम, या सुख-सुविधाएं) के पीछे भागने के बजाय, हमें अपने भीतर मौजूद असली शक्ति को पहचानना होगा। हम केवल एक शरीर नहीं, बल्कि विचारों और भावनाओं को महसूस करने वाली उससे कहीं बड़ी सत्ता हैं। अक्सर हम बाहरी, क्षणभंगुर चीजों में खुशी तलाशते हैं, जो स्थायी नहीं होतीं। इसी कारण भय और चिंता बनी रहती है। शंकराचार्य का दर्शन सिखाता है कि जब तक हम स्वयं को नहीं पहचानते, तब तक बाहरी दुनिया से सच्ची और स्थायी शांति नहीं मिल सकती। स्वयं को जानने से मन शांत और स्थिर होता है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना, दूसरों से तुलना करना या भविष्य का डर सताना कम हो जाता है। यह समझ विकसित होती है कि सच्ची खुशी और संतोष कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर ही विद्यमान है। यह सीख हमें आंतरिक शांति और एक बेहतर जीवन की ओर ले जाती है, जहाँ हम अपने असली स्वरूप को पहचानकर वास्तविक प्रसन्नता प्राप्त कर सकते हैं।

हेमा मालिनी का अद्वितीय घर : धर्मेंद्र की यादों से सजा सपनों का आशियाना

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी का मुंबई में स्थित 54 साल पुराना भव्य बंगला उनके जीवन की यात्रा का प्रतीक है, इस उन्होंने अपने पति धर्मेंद्र की अनमोल यादों से सजाया है। हाल ही में उनकी बेटी ईशा देओल ने इस घर का टूर दिया, जिससे इसके हर कोने की खासियत उजागर हुई। यह घर सिर्फ एक निवास स्थान नहीं, बल्कि हेमा मालिनी के मायानगरी में सपनों की शुरुआत, उनके नृत्य, स्टारडम और धर्मेंद्र संग उनकी प्रेम कहानी का साक्षी रहा है।

यह तीन मंजिला बंगला संस्कृति, कला और धर्मेंद्र की खूबसूरत यादों का संगम है। घर में क्लासिकल डांस की मुद्राओं को दर्शाती पेंटिंग्स हैं, साथ ही हेमा, ईशा और अहाना की परफॉर्मेंस की तस्वीरें दीवारों पर सजी हैं। नृत्य पर आधारित किताबें और नटराज की मूर्ति भी रखी है। एक विशेष डांस रिहर्सल रूम है जहां करीब 30 लोग एक साथ नृत्य कर सकते हैं और ध्यान भी कर सकते हैं। इस रूम में धर्मेंद्र की मुस्कुराती हुई एक बड़ी तस्वीर लगी है, जिसे देखकर ईशा भावुक हो जाती हैं। ऑफिस रूम हेमा मालिनी की पति और बच्चों संग पारिवारिक तस्वीरों से भरा है, जिसमें धर्मेंद्र-हेमा की एक थ्रेड आर्ट पेंटिंग भी खास है। बंगले में दो किचन हैं क्योंकि हेमा मालिनी मांसाहारी भोजन नहीं करतीं, इसलिए उनका किचन और कुक अलग हैं। सोफे पर प्रशंसकों द्वारा दिए गए पर्सनलाइज्ड कुशन रखे हैं, जिन पर हेमा और धर्मेंद्र की तस्वीरें हैं। ईशा ने बताया कि इस बंगले का सालों तक कोई नाम नहीं था, जिसे आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर ने अद्वितीय नाम दिया। घर के हर फ्लोर पर सदस्यों की अलग जगहें हैं, जिसमें ईशा और अहाना के फ्लोर का इंटीरियर भी अलग है।

जनसंवाद पोर्टल पर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें विभाग: डीसी डॉ. विवेक भारती

-डीसी ने कहा, प्रत्येक शिकायत का समाधान संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें अधिकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जनसंवाद पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं निर्धारित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।विभाग शिकायत का समाधान पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करें, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। ये निर्देश डीसी डा. विवेक भारती ने शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने भी इस संबंध में जनसंवाद पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा को लेकर प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक की। उन्होंने शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण, विभागीय समन्वय तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वीसी उपरांत डीसी डा. विवेक भारती ने जिला अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कहा कि गर्मी एवं आगामी मानसून के मद्देनजर पेयजल आपूर्ति, सड़कों की स्थिति, जल निकासी, अग्नि सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि जिला में कहीं भी पेयजल आपूर्ति बाधित न होने पाए तथा यदि किसी क्षेत्र से जलापूर्ति संबंधी शिकायत प्राप्त होती है तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला की सभी मुख्य एवं संपर्क सडक़ों पर बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत कर निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में क्षतिग्रस्त सडक़ें आमजन के लिए परेशानी का कारण बनती हैं, इसलिए सभी आवश्यक मरम्मत कार्य समय रहते पूरे किए जाएं ताकि यातायात सुचारु एवं सुरक्षित बना रहे। डीसी ने संबंधित विभागों को सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों एवं अन्य संवेदनशील भवनों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। विकास एवं जनकल्याण से संबंधित कार्यों में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक अधिकारी नियमित रूप से फील्ड का निरीक्षण कर योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करे। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन को पारदर्शी, जवाबदेह, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना है और इस दिशा में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में एसडीएम राजेश कुमार, डीएमसी प्रवीण कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीडीपीओ अनूप सिंह, डीएसपी जगदीश काजला, कार्यकारी अभियंता अशोक कुमार, राहुल चहल, बलविंद्र नैन, श्याम धींगड़ा, डीएफओ राजेश लीलड़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्र और राज्य सरकार निरंतर जनसेवा के लिए प्रतिबद्ध: सुभाष बराला

राज्यसभा सांसद ने आवास पर सुनीं जनशिकायतें, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

श्री दुर्गा महाविद्यालय समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को दी हार्दिक बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा,। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शुक्रवार को अपने आवास पर क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, सुझावों तथा जनहित एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी की बात गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को जनहित के मामलों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को समयबद्ध राहत मिल सके। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का मूल उद्देश्य पारदर्शी, संवेदनशील एवं जवाबदेह प्रशासन के माध्यम से प्रत्येक नागरिक की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही सरकार का सर्वोच्च दायित्व है तथा क्षेत्र की जनता का विश्वास, स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के समग्र एवं संतुलित विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा प्रत्येक नागरिक की समस्याओं के समाधान के लिए वे सदैव पूर्ण समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।इस दौरान टोहाना स्थित श्री दुर्गा महाविद्यालय समिति के चुनावों में नवनिर्वाचित प्रधान जगन्नाथ, उपप्रधान सूरज मेहता, महासचिव अनिल गोयल (मिंटो) सहित नवगठित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी राज्यसभा सांसद सुभाष बराला से शिष्टाचार भेंट की।राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने महाविद्यालय समिति के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि श्री दुर्गा महाविद्यालय क्षेत्र की बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा उन्हें पूर्ण विश्वास है कि नई कार्यकारिणी के नेतृत्व में महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षा एवं सर्वांगीण विकास को और अधिक मजबूती मिलेगी।राज्यसभा सांसद ने कार्यकारिणी के सदस्यों को आश्वासन दिया कि महाविद्यालय के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं छात्राओं के हितों से जुड़े प्रत्येक सकारात्मक प्रयास में उनका पूरा सहयोग सदैव उपलब्ध रहेगा।इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रमन मड़िया, राज पंसारी, बंसी अरोड़ा, सुभाष तनेजा, सुरेश सिंगला, मनीष शर्मा, अजय मोदी सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पीबीएम सुधारो जनआंदोलन 16वें दिन भी जारी, 30 जून को कलेक्ट्रेट घेराव का ऐलान

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पीबीएम अस्पताल में कथित अव्यवस्थाओं और भ्रष्टाचार के विरोध में चल रहा 'पीबीएम सुधारो जनआंदोलन' शुक्रवार को 16वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के तहत 30 जून को जिला कलेक्ट्रेट के घेराव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह टोडासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शामिल होंगे। रानी बाजार स्थित जिला कांग्रेस कमेटी (देहात) कार्यालय में आयोजित शहर और देहात कांग्रेस की संयुक्त बैठक में कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। बैठक की अध्यक्षता विधायक चेतन डूडी ने की। प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि पीबीएम अस्पताल में पेट-सीटी स्कैन, गामा जांच, आरजीएचएस, मां योजना, दवा खरीद, मेडिकल कॉलेज ठेकों और संविदा भर्ती सहित कई मामलों में अनियमितताएं एवं भ्रष्टाचार व्याप्त हैं। कांग्रेस ने अस्पताल सुधार के लिए 10 सूत्रीय मांगपत्र भी जारी किया, जिसमें नई चिकित्सा इकाइयों को शुरू करने, भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच, दवा उपलब्धता, सफाई व्यवस्था, समयबद्ध जांच सुविधाएं और चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। विधायक चेतन डूडी ने कहा कि प्रदेश के बड़े अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने दावा किया कि 30 जून के कलेक्ट्रेट घेराव में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन भाग लेंगे। बैठक में शहर व देहात कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर नशे से दूर रहने का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । पीबीएम अस्पताल स्थित मानसिक रोग एवं नशा मुक्ति विभाग में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम 'वैश्विक नशीली दवाओं की समस्या: पुरानी समस्याएं, नई चुनौतियां और अभिनव उपाय' रही।कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. हरफूल सिंह एवं डॉ. श्रीगोपाल गोयल ने किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने नशीली दवाओं के दुष्प्रभाव, तस्करी की रोकथाम तथा नशे से होने वाले मानसिक एवं शारीरिक नुकसान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. हरफूल सिंह ने कहा कि स्कूल, कॉलेज और कोचिंग में अध्ययनरत युवा आसानी से नशे के जाल में फंस सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के व्यवहार, संगति और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने तथा शुरुआत से ही उन्हें नशे से दूर रखने का आह्वान किया। डॉ. श्रीगोपाल गोयल ने कहा कि नशा आज समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। एक बार लत लगने के बाद व्यक्ति के लिए इससे बाहर निकलना कठिन हो जाता है, जिससे उसके सामाजिक, पारिवारिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपस्थित चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, स्टाफ, मरीजों एवं उनके परिजनों को नशा नहीं करने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम इकाई के सीआरपी विनोद कुमार पंचारिया एवं नर्सिंग ऑफिसर राजोराम सहित विभाग के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

असम सरकार नशीले पदार्थों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखेगी: सीएम सरमा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ दुरुपयोग और अवैध तस्करी विरोधी दिवस के मौके पर राज्य में नशे के खिलाफ अभियान तेज करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए ड्रग्स के खिलाफ लगातार और सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। मुख्यमंत्री सरमा ने बताया कि उनकी सरकार इस विषय पर गंभीरता से काम कर रही है और नशे के खिलाफ लगातार सख्त अभियान चला रही है, क्योंकि यह समाज के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकार उन ड्रग्स नेटवर्क को खत्म करने में जुटी है, जो असम में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं, और युवाओं को सामाजिक बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, असम सरकार ने नशे के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाया है। असम पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर सैकड़ों ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान बड़ी मात्रा में हेरोइन, मेथामफेटामाइन की गोलियां और गांजा सहित अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं। राज्य सरकार का मानना है कि असम की संवेदनशील भौगोलिक स्थिति, जिसकी सीमाएं भूटान और बांग्लादेश से लगती हैं और यह पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार है, इस ड्रग तस्करों के लिए एक प्रमुख मार्ग बनाती है। कुख्यात गोल्डन ट्रायंगल क्षेत्र से संचालित होने वाले ड्रग तस्करी नेटवर्क का असर यहां दिखाता है। इस कारण सरमा सरकार ने मादक पदार्थों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपना रखी है, जिसमें सख्त कानूनी कार्रवाई, जनजागरूकता अभियान और नशा मुक्ति एवं पुनर्वास कार्यक्रम भी शामिल हैं। हर साल 26 जून को मनाए जाने वाले इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ाकर दुनिया को नशामुक्त करना, लोगों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और रोकथाम, उपचार तथा पुनर्वास के प्रयासों को मजबूत करना है।

केंद्रीय कैबिनेट और भाजपा संगठन में बड़े बदलाव की आहट : नितिन नवीन की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव की अटकलें तेज हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, इन दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ अंजाम दिया जा रहा है और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

वहीं बीजेपी हलकों से पहले ही संकेत मिल रहे थे कि जून के अंत तक संगठन में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं, जो केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से सीधे तौर पर जुड़े हो सकते है। गुरुवार को नितिन नवीन की कुछ राज्य मंत्रियों के साथ हुई बैठकों ने इन अटकलों को पुख्ता किया है। पार्टी के भीतर माना जा रहा है कि उत्तरप्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में फेरबदल की बारी है। यूपी की नई टीम के गठन में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जातियों के प्रतिनिधित्व पर विशेष जोर दिया गया है। इस नई टीम के गठन को समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण की प्रभावी काट के तौर पर देखा जा रहा है। इसी तर्ज पर, राष्ट्रीय संगठन में भी युवाओं, महिलाओं और विभिन्न महत्वपूर्ण जाति समूहों को अधिक प्रतिनिधित्व देने की संभावना है। पार्टी का लक्ष्य इन प्रमुख सामाजिक वर्गों में अपनी पकड़ मजबूत करना है। इधर, केंद्रीयद मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तब तेज हो गईं, जब बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ ताबड़तोड़ बैठकें कीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में बदलाव की प्रक्रिया को आखिरी समय तक गोपनीय रखने के लिए जाने जाते हैं, इसकारण इस मुद्दे पर आधिकारिक चुप्पी साधी गई है।

भारतीय पुरुषों और महिलाओं में बढ़ रही नशे की आदत: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुषों में शराब के सेवन की दर में वृद्धि देखी गई है, वहीं महिलाओं में तंबाकू के उपयोग का चलन कई राज्यों में बढ़ता जा रहा है। हालिया नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस-6) रिपोर्ट ने भारत में नशे की आदतों को लेकर एक नया और चिंताजनक बदलाव उजागर किया है।

हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत के संकेत भी हैं। कुल मिलाकर महिलाओं में तंबाकू सेवन थोड़ा घटकर 8.9 प्रतिशत से 8.4प्रतिशत हुआ है, लेकिन इस राष्ट्रीय औसत के पीछे एक विपरीत रुझान छिपा है- 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में महिलाओं में तंबाकू उपयोग बढ़ा है। इनमें उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्य शामिल हैं, जहां ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि विशेष रूप से देखी गई है। पुरुषों की बात करें तो तंबाकू सेवन में हल्की गिरावट आई है, जो 38प्रतिशत से घटकर 36.3प्रतिशत हो गया है। इसके बावजूद कुछ राज्यों में यह दर अभी भी बहुत अधिक बनी हुई है, जिससे समस्या की गंभीरता बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में पुरुषों के बीच शराब पीने की आदत में भी हल्की बढ़ोतरी हुई है। यह दर 18.7प्रतिशत से बढ़कर 18.9प्रतिशत हो गई है। कई राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना में यह वृद्धि अधिक देखी गई है, जो इन क्षेत्रों में शराब की खपत में उल्लेखनीय इजाफा दर्शाती है।

वहीं, महिलाओं में शराब सेवन में राष्ट्रीय स्तर पर मामूली गिरावट आई है, लेकिन यहां भी कुछ राज्यों में इसका उपयोग फिर भी बढ़ रहा है, जो दर्शाता है कि क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी अलग हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि केवल राष्ट्रीय औसत देखकर नशे की समस्या की पूरी तस्वीर नहीं समझी जा सकती। उनका मानना है कि कई राज्यों और जिलों में स्थिति काफी गंभीर है और वहां नशे की प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसलिए, स्थानीय स्तर पर अलग-अलग, सूक्ष्म और प्रभावी रणनीति की जरूरत है ताकि इन विशिष्ट क्षेत्रों की चुनौतियों का समाधान किया जा सके। उन्हें डर है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह प्रवृत्ति बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। रिपोर्ट में तंबाकू से होने वाले नुकसान पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया है, जिससे पता चलता है कि यह कितनी जानलेवा हो सकती है। तंबाकू से होने वाली मौतों में लगभग 48प्रतिशत मौतें दिल की बीमारियों (जैसे हार्ट डिजीज और स्ट्रोक) की वजह से होती हैं, जो भारत में हृदय रोगों के बढ़ते बोझ को दर्शाता है। इसके अलावा, भारत में मुंह का कैंसर बहुत अधिक आम है और तंबाकू का उपयोग इसका एक प्रमुख कारण है।

रिपोर्ट के अनुसार, तंबाकू से जुड़े कैंसर कुल कैंसर मामलों का लगभग 27-30प्रतिशत हैं, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में तंबाकू नियंत्रण के महत्व को रेखांकित करता है। सांस की बीमारियां भी तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों और बीमारियों की एक बड़ी वजह हैं, जिससे फेफड़ों की गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। एनएफएचएस-6 की यह रिपोर्ट साफ करती है कि भारत में नशे की आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहे हैं। पुरुषों में शराब की आदत बढ़ रही है और महिलाओं में तंबाकू का उपयोग, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, बढ़ रहा है। कुछ राज्यों में स्थिति राष्ट्रीय औसत से ज्यादा खराब है, जिससे नीति निर्माताओं को इन क्षेत्रीय विषमताओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी।

दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।

नीदरलैंड्स की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, फेबे ने 41 रनों का योगदान दिया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरीं स्टेरे कालिस ने 26 रन बनाए, जबकि बैबेट डी लीडे 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम मुश्किल से 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। नीदरलैंड्स की छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में नाकाम रहीं। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, क्लोई ट्रायोन ने चार ओवर के स्पेल में 16 रन देकर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 208 रन लगाए। टीम को कप्तान एल वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 121 रन जोड़े। वोल्वार्ट ने 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से 45 रन बनाए।वहीं, ब्रिट्स ने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स ने 69 गेंदों में 114 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अंत के ओवरों में एनेरी डेर्कसेन ने महज 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। गेंदबाजी में नीदरलैंड्स की तरफ से एकमात्र विकेट हन्ना लैंडहीर ने चटकाया।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत

भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया।हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली पिछली जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उस जीत ने खिलाड़ियों का भरोसा मजबूत किया और कई मानसिक बाधाएं भी दूर कीं।

जर्मनी को हरा इतिहास रच गया इक्वाडोर पूरे देश में जश्न, अवकाश घोषित किया

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। ग्रुप-ई के अपने आखिरी मुकाबले में अंडरडॉग मानी जा रही इक्वाडोर की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से धूल चटा दी है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार (25 जून) को न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर इक्वाडोर ने विश्व कप के नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा कर दी है।

इस महाविजय के बाद राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक और गर्व से भरी पोस्ट साझा की। उन्होंने टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए खिलाड़ियों और मुख्य कोच सेबेस्टियन बेकासेसे का आभार जताया।

राष्ट्रपति नोबोआ ने लिखा 'खिलाड़ियों और कोच को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने तमाम आलोचनाओं, अपमान और कठिन दौर से गुजरने के बावजूद शानदार वापसी की और पूरे देश को यह असीम खुशी दी। कल (शुक्रवार) देश में छुट्टी रहेगी! इक्वाडोर अमर रहे।'

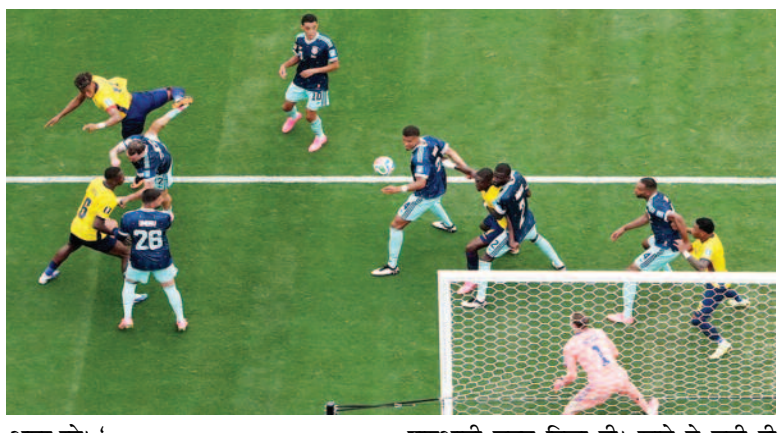

ऐसे पलटा मैच का पासा

इक्वाडोर के लिए यह राह आसान नहीं थी। टीम को अपने पहले मैच में आइवरी कोस्ट से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि कुराकाओ के खिलाफ दूसरा मैच गोलरहित ड्रा रहा था। वहीं दूसरी तरफ जर्मनी की टीम पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी और मैच में जीत की प्रबल दावेदार थी।

मैच की शुरुआत में जर्मनी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। फ्लोरियन विर्ट्ज़ के पास पर लेरॉय साने ने मैच का पहला शॉट सीधे गोल पोस्ट के भीतर दागकर जर्मनी को शुरुआती बढ़त दिला दी। साने ने बड़ी ही आसानी से गेंद को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को छकाते हुए निचले बाएं कोने में डाल दिया। इस गोल के तुरंत बाद इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने फाउल की अपील की। रीप्ले में भी यह देखा गया कि गोल से ठीक पहले जर्मनी के अलेक्सांद्र पाव्लोविच का पैर इक्वाडोर के मिडफील्डर प्रेडो विटे के सिर पर लगा था, लेकिन अंपायर ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

निल्सन एंगुलो का जादुई गोल

शुरुआती झटका लगने के बावजूद इक्वाडोर ने हिम्मत नहीं हारी। टीम ने पूरे दमखम और आक्रामकता के साथ वापसी की। मैच के 9वें मिनट में ही निल्सन एंगुलो ने मिडफील्ड से मिले एक ढीले पास को लपका और मैनुअल न्युएर जैसे दिग्गज गोलकीपर को छकाते हुए एक बेहद दमदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले हाफ तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

मैच का सबसे निर्णायक क्षण 77वें मिनट में आया। दाएं छोर से मिले एक कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हवा में उछलकर गेंद को गोल पोस्ट की तरफ फ्लिक किया, जहां खड़े गोंजालो प्लाटा ने बिना कोई गलती किए फुर्ती से गेंद को नेट के अंदर धकेल दिया। इस गोल के होते ही स्टेडियम में मौजूद इक्वाडोर के फैंस और डगआउट में बैठे खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

सांस रोक देने वाला रोमांच

2-1 की बढ़त लेने के बाद इक्वाडोर की टीम पूरी तरह से डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच के अंतिम क्षणों और 7 मिनट के इंजरी टाइम में जर्मनी ने बराबरी का गोल दागने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इक्वाडोर के डिफेंस ने चट्टान की तरह डटकर जर्मनी के हर वार को नाकाम कर दिया। आखिरकार, अंतिम सीटी बजने के साथ ही इक्वाडोर ने 2-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, अनिमेष-उन्नथी ने किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को कई भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। प्रतियोगिता के दौरान सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्प्रिंटर्स अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्लांडा ने एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया।

महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजी मीना पॉलराज के 4.21 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड अक्तूबर 2022 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन चैंपियनशिप के दौरान बनाया गया था। इसी स्पर्धा में बरानिका फ्लैंगोवन ने 4.20 मीटर की छलांग लगाकर एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया।पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल किया। इसके बाद फाइनल में उन्होंने 20.74 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में उन्नथी बोल्लांडा ने 23.658 सेकंड का समय निकालते हुए एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर क्वालिफिकेशन मानक पार किया और जापान में होने वाले महाद्वीपीय खेलों का टिकट हासिल किया।

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स, पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

एआई के बढ़ते दबाव का असर, एप्पल ने मैकबुक और आईपैड की कीमतें बढ़ाईं

मेमोरी-स्टोरेज लागत में भारी वृद्धि बताई वजह

मुंबई ।

एप्पल ने अपने कई मैकबुक और आईपैड मॉडल्स की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। कंपनी ने इसके लिए मेमोरी और स्टोरेज कंपोनेंट्स की लागत में भारी बढ़ोतरी को जिम्मेदार ठहराया है, जिसका मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटर्स की बढ़ती मांग है। नई कीमतों के तहत, मैकबुक एयर 512जीबी 1,099 डॉलर के बजाय 1,299 डालेगा, जबकि आईपैड प्रो वाई-फाई 256जीबी की कीमत 999 से बढ़कर 1,199 हो गई है। एप्पल के सीईओ टिम कुक ने इस स्थिति को सौ साल में एक बार आने वाली बाढ़ जैसी बताया और कहा कि कंपनी अब ग्राहकों को बढ़ती लागत के असर से पूरी तरह बचा नहीं सकती। मार्केट रिसर्च फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, पिछले तीन तिमाहियों में मेमोरी और स्टोरेज की कीमतें लगभग चार गुना बढ़ चुकी हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह मूल्य वृद्धि सिर्फ मैकबुक और आईपैड तक सीमित नहीं रहेगी। काउंटरपॉइंट रिसर्च के तरुण पाठक का मानना है कि आईफोन की उत्पादन लागत भी करीब 200 डॉलर तक बढ़ सकती है, जिससे आगामी मॉडल्स में 150 से 200 डॉलर तक की बढ़ोतरी संभव है। आईडीसी का कहना है कि भविष्य के आईफोन मॉडल्स को एआई फीचर्स के लिए 12जीबी रेम की आवश्यकता होगी, और एप्पल इन बढ़ी हुई कीमतों को बेहतर हार्डवेयर व एआई क्षमताओं से जोड़कर पेश करेगा।

सरकारी बॉन्ड पर टैक्स राहत, भारत में आया 3 अरब डॉलर का नया विदेशी निवेश

नई नीति और मजबूत अर्थव्यवस्था से 65 अरब डॉलर अतिरिक्त पूंजी आने की उम्मीद

मुंबई ।

भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। सरकार द्वारा सरकारी बॉन्ड (जी-सेक) में निवेश करने वाले एफपीआई को टैक्स में बड़ी राहत दिए जाने के बाद देश में विदेशी निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्या कांति घोष ने बताया कि जी-सेक पर टैक्स नियमों में बदलाव के बाद भारत में करीब 3 अरब डॉलर का एफपीआई निवेश आया है। पहले विदेशी निवेशकों को जी-सेक बेचने पर 12.5 फीसदी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स और ब्याज से होने वाली आय पर 20 फीसदी विथहोल्डिंग टैक्स देना पड़ता था। इन टैक्सों को हटाए जाने से भारतीय सरकारी बॉन्ड अब उनके लिए अधिक आकर्षक हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल शुरुआत है। सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियों और अनुकूल माहौल के चलते आने वाले समय में एफसीएनआर (बी) और ईसीबी जैसे माध्यमों से भारत में करीब 65 अरब डॉलर तक अतिरिक्त विदेशी पूंजी आ सकती है। इस निवेश से बैंकिंग सिस्टम को मजबूती मिलेगी, रुपये पर दबाव कम होगा और देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत एक स्थिर और भरोसेमंद निवेश गंतव्य बनकर उभरा है।

दक्षिण कोरिया का कोस्पी 8 फीसदी से ज्यादा टूटा, सर्किट ब्रेकर लगा

अमेरिकी टेक शेयरों में कमजोरी से निवेशकों ने की मुनाफावसूली

मुंबई ।

मुहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को जहां भारतीय शेयर बाजार बंद रहे, वहीं दक्षिण कोरियाई बाजार में भारी बिकवाली देखी गई। तेज गिरावट के चलते कोस्पी इंडेक्स 8 फीसदी से अधिक लुढ़क गया, जिसके बाद सर्किट ब्रेकर लागू कर लगभग 20 मिनट के लिए ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। यह इस सप्ताह दूसरी बार है जब बाजार में सर्किट ब्रेकर लगा है और अब यह तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट की ओर बढ़ रहा है। बाजार में यह गिरावट अमेरिकी टेक शेयरों में गुरुवार को आई कमजोरी के बाद निवेशकों द्वारा की गई मुनाफावसूली का नतीजा है। इसका सबसे ज्यादा असर चिप बनाने वाली कंपनियों पर पड़ा। कोस्पी की प्रमुख कंपनियों में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 8.02 फीसदी और एक और बड़ी चिपमेकर एसके हाइनिक्स में 8.94 फीसदी की तेज गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह बैटरी बनाने वाली एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के शेयर 5.11 फीसदी गिरे, जबकि हुंडई मोटर में 4.77 फीसदी, किया कॉर्प में 4.30 फीसदी और पोस्को होल्डिंग्स में 5.73 फीसदी की गिरावट देखने को मिली।

ईवी कारें हो सकती है महंगी, रीसाइक्लिंग नियमों पर सायम ने जताई चिंता

संगठन ने कहा– 3 से 5 फीसदी तक बढ़ सकती हैं कीमतें, बिक्री पर भी पड़ेगा असर

नई दिल्ली ।

वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम (सायम) ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को आगाह किया है कि सरकार द्वारा प्रस्तावित बैटरी रीसाइक्लिंग लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कीमतों में 3 से 5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकते हैं।

संगठन का मानना है कि इन सख्त नियमों से देश में ईवी की बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

सायम ने पिछले साल नवंबर में सीपीसीबी को भेजे पत्र और हाल ही में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ बैठक में अपनी चिंताएं रखीं।

उनका कहना है कि मौजूदा नियमों को मानने से औसतन 35-40 किलोवॉट घंटे वाली इलेक्ट्रिक कार बैटरी की लागत में 8,000 से 25,000 रुपये तक की वृद्धि हो सकती है, जिसमें बैटरी संग्रह, भंडारण और हैंडलिंग का खर्च अलग से होगा।

सायम का मुख्य तर्क यह है कि बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत वाहन विनिर्माताओं को 8 साल के उपयोग के बाद 70 फीसदी बैटरियां (जो अंततः 82 फीसदी तक बढ़ेंगी) एकत्र करनी होंगी।

जबकि लीथियम आयरन फॉस्फेट (एलएफपी) बैटरियों की उम्र काफी लंबी होती है।

संगठन ने सीपीसीबी से नियमों को आसान बनाने की अपील की है, क्योंकि मौजूदा धातु-विशिष्ट रिकवरी लक्ष्य रीसाइक्लिंग के दौरान होने वाले नुकसान और बैटरी घटकों के अंतर को ठीक से ध्यान में नहीं रखते, जिससे उत्पादकों पर अनुचित बोझ पड़ सकता है। यह नियम विस्तारित उत्पादक दायित्व ढांचे का हिस्सा हैं।

हुंडई की दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता कंपनी हुंडई भारतीय बाजार में अपनी दूसरी पोजीशन को बनाए रखने बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है। कंपनी अगले दो सालों में पांच नई गाड़ियां लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिनमें नई क्रेटा से लेकर 7-सीटर एसयूवी तक शामिल हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी है, जिसकी टेस्टिंग भारत और दक्षिण कोरिया में चल रही है। यह नए के3 प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी और इसमें पूरी तरह से नया डिजाइन, बड़ी टचस्क्रीन और एक मजबूत हाइब्रिड वर्जन मिलने की उम्मीद है, जो 2027 की शुरुआत में आ सकती है। इसके बाद हुंडई बेयोन क्रॉसओवर एसयूवी आएगी, जिसे वेन्यू और क्रेटा के बीच पोजिशन किया जाएगा। यह आधुनिक डिजाइन, डुअल 12.3-इंच स्क्रीन और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड इंजन के साथ 2026 के अंत तक लॉन्च हो सकती है। इलेक्ट्रिक सेगमेंट में, हुंडई एचई1आई (HEvi) इलेक्ट्रिक माइक्रो-एसयूवी लाने वाली है, जो टाटा पंच ईवी को टक्कर देगी। यह डेडिकेटेड ई-जीएमपी प्लेटफॉर्म पर बनेगी और 300 से 350 किमी की रेंज देने का दावा करेगी, जिसके 2026 में आने की संभावना है।

डॉलर के आगे फीकी पड़ी चमक, सोना 3 माह, चांदी 6 माह के निचले स्तर पर

5 हजार रुपए सस्ती हुई चांदी, सोने के दामों में भी आई भारी गिरावट

नई दिल्ली ।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के आंकड़ों के मुताबिक भारतीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

सोना तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया है, जबकि चांदी छह महीने के निचले स्तर पर कारोबार कर रही है। घरेलू बाजार में 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 2,800 रुपए गिरकर 1,45,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर आ गया है, जो इसका तीन महीने का सबसे निचला स्तर है। वहीं, चांदी भी 5,000 की गिरावट के साथ 2,26,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जो इसका छह महीने का निचला स्तर है। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशकों द्वारा कीमती धातुओं के बजाय डॉलर को प्राथमिकता देने और लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की संभावना से इन पर दबाव बना है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने भी मजबूत डॉलर को गिरावट का मुख्य कारण बताया।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी हाजिर सोना 0.53 फीसदी गिरकर 3,978.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जो नवंबर 2025 के बाद पहली बार 4,000 रुपए के अहम स्तर से नीचे है। हाजिर चांदी भी 0.56 फीसदी गिरकर 57.10 रुपए प्रति औंस के छह महीने के निचले स्तर पर आ गई। निवेशक अब अमेरिका के नए आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं, जो भविष्य की ब्याज दरों पर असर डाल सकते हैं।

आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव्स नियमों में ढील दी, कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को मिलेगी मजबूती

बैंकों और बड़ी कंपनियों को जोखिम प्रबंधन में मिलेगी अधिक सुविधा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को नई गति देने और वित्तीय संस्थानों को जोखिम प्रबंधन में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से क्रेडिट डेरिवेटिव्स के लिए नए नियम जारी किए हैं। सरकार के बजट में इस बाजार को बढ़ावा देने की घोषणा के बाद ऋद्ध का यह कदम कंपनियों के लिए फंड जुटाना आसान बनाने और वित्तीय बाजार में तरलता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। नए नियमों के तहत, भारतीय निवासी गैर-रिटेल उपयोगकर्ता, जैसे बैंक, वित्तीय संस्थान और बड़ी कंपनियां, अब क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) और टोटल रिटर्न स्वैप (टीआरएस) जैसे क्रेडिट डेरिवेटिव्स का इस्तेमाल किसी तय उद्देश्य के प्रतिबंध के बिना कर सकेंगे। यह उन्हें अपने क्रेडिट जोखिम का बेहतर प्रबंधन करने में मदद करेगा। हालांकि, अनिवासी निवेशकों को इन साधनों का उपयोग केवल हेजिंग यानी अपने निवेश को संभावित नुकसान से बचाने के लिए ही करने की अनुमति होगी, जबकि छोटे (रिटेल) निवेशकों के लिए मौजूदा सीमाएं जारी रहेंगी ताकि उन्हें अत्यधिक जोखिम से बचाया जा सके। आरबीआई ने क्रेडिट डेरिवेटिव सौदों के भुगतान के लिए भारतीय रुपये या विदेशी मुद्रा दोनों के उपयोग की अनुमति दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने ऋण (लोन) पर क्रेडिट डेरिवेटिव्स की अनुमति देने की मांग को अस्वीकार कर दिया है। ऋद्ध का मानना है कि ऐसा करने से बाजार में अनावश्यक जोखिम बढ़ सकता है, इसलिए फिलहाल इस तरह के लेनदेन को मंजूरी नहीं दी गई है, जो वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता बनाए रखने में मदद करेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से भारतीय कॉर्पोरेट बॉन्ड बाजार को बड़ा लाभ मिलेगा। कंपनियां अपने क्रेडिट जोखिम को अधिक आसानी से प्रबंधित कर पाएंगी, जिससे बॉन्ड जारी करना सरल होगा और फंड जुटाने की लागत भी कम होगी। यह बाजार में तरलता बढ़ाएगा और निवेशकों को नए विकल्प प्रदान करेगा।

बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए भी यह कदम उनकी बैलेंस शीट को मजबूत करने और पूरे वित्तीय तंत्र की स्थिरता बढ़ाएगा। यह भारत के क्रेडिट डेरिवेटिव्स बाजार को वैश्विक मानकों के करीब लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

तकनीकी अपग्रेड के कारण ईपीएफओ पोर्टल 3 दिन रहेगा बंद

26 से 28 जून तक ऑनलाइन क्लेम जमा नहीं होंगे

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने करोड़ों सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। 26 जून 2026 की रात 12 बजे से 28 जून 2026 की रात 11-59 बजे तक उसका ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग पोर्टल बंद रहेगा। यह अस्थायी बंदी सिस्टम में तकनीकी सुधार और सॉफ्टवेयर अपग्रेड के लिए की जा रही है, जिससे सदस्य क्क्न से संबंधित ऑनलाइन सेवाओं का लाभ नहीं उठा पाएंगे। ईपीएफओ ने बताया है कि यह कदम क बड़े तकनीकी सुधार, डेटाबेस कंसोलिडेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेड का हिस्सा है। इसका उद्देश्य भविष्य में यूजर्स को तेज, सुरक्षित और बेहतर डिजिटल सेवाएं देना है।

पोर्टल बंद रहने के कारण, पीएफ निकालने या ट्रांसफर करने सहित कोई भी नया क्लेम जमा नहीं किया जा सकेगा, और न ही पहले से जमा किए गए क्लेम की प्रोसेसिंग होगी। पोर्टल की सभी सेवाएं 29 जून 2026 की रात 12 बजे से सामान्य रूप से शुरू हो जाएंगी। सदस्यों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी काम पहले ही निपटा लें या कुछ समय इंतजार करें। ईपीएफओ ने असुविधा के लिए खेद जताया है और सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 14470 भी जारी किया है। यह बदलाव लंबे समय में बेहतर और भरोसेमंद सेवाएं देने के लिए जरूरी है।

एआई से उपजे साइबर खतरों से निपटने सरकार बनाएगी एकीकृत कमांड सेंटर

इलेक्ट्रॉनिकी मंत्रालय के अधीन करेगा काम, केंद्र-राज्यों के बीच समन्वय पर जोर

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एंथ्रोपिक के क्लॉड मिथोस जैसे मॉडलों से उत्पन्न साइबर सुरक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए भारत सरकार एक सशक्त और एकीकृत कमांड सेंटर स्थापित करने की योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि यह कदम एआई से जुड़े नए खतरों के प्रति देश की नीतिगत प्रतिक्रिया को मजबूत करेगा। यह नई संस्था इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन काम करेगी। इसका मुख्य कार्य एआई खतरों पर नीतिगत प्रतिक्रिया और केंद्र व राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। अधिकारियों के अनुसार, सरकार को एकीकृत कमांड सेंटर की तत्काल आवश्यकता है, क्योंकि फ्रंटियर एआई से उत्पन्न खतरों पर प्रतिक्रिया देने का समय बहुत कम होगा और जोखिम तेजी से बढ़ेंगे। सरकार का मानना है कि इन नए मॉडलों से निपटने के लिए एक एकीकृत नीति प्रतिक्रिया आवश्यक है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस नए संगठन में सरकार, शिक्षाविद और नई एआई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। आईटी मंत्रालय के नए एआई कानून से इस केंद्र को अधिकार मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, सरकार उन कुछ कंपनियों से भी संपर्क कर रही है जिनके पास क्लॉड सुरक्षा पहुंच है, ताकि वे अपने नतीजों को उद्योग के साथ साझा करें।

ईपीएफओ से लेकर क्रेडिट कार्ड तक..5 दिन बाद बदल जाएंगे कई नियम

मुंबई ।

2026 की शुरुआत के साथ ही कई वित्तीय बदलाव होने जा रहे हैं। जिनका असर नौकरीपेशा लोगों, टैक्सपेयर्स, पेंशनर्स और क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों पर पड़ेगा। इनमें आईटीओर फाइलिंग की डेडलाइन, ईपीएफओ की यूपीआई से पीएफ निकासी, महंगाई भत्ता और क्रेडिट कार्ड के नए नियम शामिल हैं। जुलाई में ईपीएफओ 3.0 प्लेटफॉर्म लॉन्च होने की उम्मीद है। इसका मकसद ईपीएफओ की डिजिटल सेवाओं को पहले से ज्यादा आसान बनाना है। नए सिस्टम के तहत ईपीएफ खाताधारकों को यूपीआई के जरिए तुरंत पीएफ निकालने की सुविधा मिल सकती है। अगर ऐसा होता है, तो पीएफ निकालने की प्रक्रिया पहले के मुकाबले काफी तेज और आसान हो जाएगी।हर साल जनवरी और जुलाई में केंद्र सरकार महंगाई भत्ते की समीक्षा करती है। ऐसे में जुलाई 2026 में भी केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स को डीए बढ़ोतरी की घोषणा का इंतजार रहेगा। अगर सरकार बढ़ोतरी करती है, तो लाखों कर्मचारियों और पेंशनर्स को इसका लाभ मिलेगा।

नागपुर मेट्रो विस्तार को मंजूरी कान्हान तक पहुंचेगी मेट्रो, 310 करोड़ का होगा खर्च

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की उपसमिति ने 1.4 किमी के एलिवेटेड कॉरिडोर को दी हरी झंडी

मुंबई ।

नागपुर मेट्रो के दूसरे चरण के उत्तरी गलियारे को कान्हान टाउन तक विस्तारित करने के प्रस्ताव को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल की अवसंरचना संबंधी उपसमिति ने मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में स्वीकृत इस 1.4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर की अनुमानित लागत 310.35 करोड़ रुपये है, जो क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूती देगा। महाराष्ट्र मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (महा-मेट्रो) द्वारा तैयार इस परियोजना में कान्हान टाउन में एक नया एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनाया जाएगा। यह विस्तार न केवल कान्हान के लगभग 35,000 निवासियों और प्रतिदिन नागपुर आवागमन करने वाले हजारों लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि रामटेक, टेकड़ी, कांद्री माइंस, नगरधन, गोंडेगांव माइंस और मौदा सुपर थर्मल पावर परियोजना जैसे दूरदराज के क्षेत्रों को भी बेहतर संपर्क सुविधा प्रदान करेगा।

इससे अंततः प्रतिदिन लगभग 20,000 अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिलने का अनुमान है। परियोजना के वित्तपोषण में केंद्र और महाराष्ट्र सरकार 39.88-39.88 करोड़ रुपये की इक्विटी हिस्सेदारी के साथ ब्याज मुक्त अधीनस्थ ऋण भी देंगी। शेष 155.18 करोड़ रुपये रियायती दर पर उपलब्ध बहुपक्षीय ऋण से जुटाए जाएंगे।

पीएनजी उपभोक्ता अब 30 दिन में सरेंडर करेंगे एलपीजी कनेक्शन

एक घर-एक गैस कनेक्शन नीति के तहत डुप्लीकेसी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच एलपीजी आपूर्ति पर असर की आशंका के बीच केंद्र सरकार ने गैस वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। जिन घरों में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन है, उन्हें अब 30 दिनों के भीतर अपना एलपीजी (एलपीजी) कनेक्शन सरेंडर करना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इस नियम से गैस वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी, डुप्लीकेट कनेक्शनों पर रोक लगेगी और जरूरतमंद परिवारों तक एलपीजी की पहुंच बेहतर हो सकेगी। इंडेन, भारत गैस और एचपी गैस सहित सभी प्रमुख घरेलू एलपीजी कनेक्शनों पर यह नियम लागू होगा। निर्धारित अवधि के बाद ऐसे उपभोक्ताओं को एलपीजी रिफिल या संबंधित सुविधाएं मिलने में परेशानी आ सकती है। सरकार की प्राथमिकता वन हाउसहोल्ड, वन गैस कनेक्शन (एक परिवार, एक गैस कनेक्शन) को बढ़ावा देना है। अधिकारियों का कहना है कि कई शहरी क्षेत्रों में पीएनजी उपलब्ध होने के बावजूद लोग एलपीजी कनेक्शन बनाए रखते हैं, जिससे गैस वितरण पर अनावश्यक दबाव पड़ता है और सब्सिडी का दुरुपयोग होता है। नए नियम उन इलाकों में एलपीजी की सप्लाई बेहतर करेगा जहां अभी पीएनजी नेटवर्क नहीं पहुंचा है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यदि कोई परिवार ऐसे क्षेत्र में स्थानांतरित होता है जहां पीएनजी उपलब्ध नहीं है, तो वे ट्रांसफर वाउचर के जरिए आसानी से एलपीजी कनेक्शन दोबारा हासिल कर सकते हैं।

सरकार पहले से ही ओटीपी आधारित डिलीवरी और ई-केवाईसी जैसे कदम उठा रही है ताकि फर्जी कनेक्शनों पर रोक लगे और लाभार्थियों को सही लाभ मिल सके।

अमेरिकी महंगाई से बिटकॉइन 60,000 डॉलर के नीचे लुढ़का

– मई की उम्मीद से ज्यादा महंगाई ने फेड रेट बढ़ाने की आशंकाएं बढ़ाईं

मुंबई ।

26 जून को बिटकॉइन की कीमत 60,000 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई, जिससे क्रिप्टो निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। मई के अमेरिकी मुद्रास्फीति आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की आशंकाओं को फिर से बल दिया है। मई में अमेरिकी मुद्रास्फीति उम्मीद से कहीं ज़्यादा बढ़कर तीन साल में पहली बार 4त्न के पार गई। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को ऊंचा रखने या बढ़ाने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं, जिससे निवेशक बिटकॉइन और एथेरियम जैसी जोखिम भरी संपत्तियों से दूर हो रहे हैं। अब ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें लगभग समाप्त हो चुकी हैं। पिछले 24 घंटों में बिटकॉइन 3 फीसदी गिरकर 59,000 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है, जबकि आंकड़ों के तुरंत बाद यह 58,000 से नीचे चला गया था। बाजार विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को मौजूदा रुझानों पर बारीकी से नज़र रखनी चाहिए। डॉलर की मजबूती और सोने-चांदी में गिरावट भी इसी अनिश्चितता का परिणाम है। लंबी अवधि के लिए गिरावट में निवेश का अवसर हो सकता है, पर क्रिप्टो बाजार के उच्च जोखिम को देखते हुए अत्यधिक सावधानी ज़रूरी है।ङ्क

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी:बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी, संसद इसके खिलाफ

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है। मंगलवार को सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया।

मुस्लिम देशों में सिर्फ पाकिस्तान में सुधरी अमेरिका की छवि

अमेरिकी रिसर्च संस्था प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान एकमात्र मुस्लिम-बहुल देश रहा जहां अमेरिका को लेकर लोगों की राय बेहतर हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने से पाकिस्तान में अमेरिका की छवि सुधरी। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि पाकिस्तानियों को ट्रम्प पर भरोसा है। सर्वे में 82% पाकिस्तानियों ने कहा कि उन्हें ट्रम्प पर भरोसा नहीं है, जबकि सिर्फ 12% ने उन पर विश्वास जताया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 76% पाकिस्तानी मानते हैं कि अमेरिका उनके देश के आंतरिक मामलों में दखल देता है। यानी अमेरिका को लेकर सकारात्मक सोच बढ़ी है, लेकिन उसके इरादों और नेतृत्व को लेकर संदेह अब भी कायम है।

रूबियो बोले- 29-30 जून को अमेरिका-ईरान वार्ता फिर होगी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत 29 या 30 जून को स्विट्जरलैंड में फिर शुरू हो सकती है। यह बातचीत दोनों देशों के बीच हाल में हुए संघर्षविराम समझौते को आगे बढ़ाने के लिए हो रही है। रूबियो ने ईरान को चेतावनी भी दी और कहा कि अमेरिका की ओर से दी गई प्रतिबंधों में राहत अस्थायी है। अगर ईरान ने स्विट्जरलैंड वार्ता में किए गए वादे पूरे नहीं किए तो राष्ट्रपति ट्रम्प के पास प्रतिबंध फिर से लागू करने का विकल्प मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

सिर्फ एक पोस्ट और 7 साल की सजा, रूस में विपक्षी नेता पर बड़ी कार्रवाई

मास्को, एजेंसी। रूस में यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली प्रमुख विपक्षी पार्टी याब्लोको के उप नेता मैक्सिम क्रुग्लोव को बुधवार को रूसी सेना के बारे में 'झूठ फैलाने' के आरोप में दोषी ठहराया गया और सात साल की जेल की सजा सुनाई गई। 39 वर्षीय क्रुग्लोव (मॉस्को की नगर विधानसभा के पूर्व सदस्य) को अक्टूबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर 2022 में टेलीग्राम पर दो पोस्ट करने का आरोप था, जिस वर्ष रूस ने यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू किया था। अदालत में खुद को निर्दोष बताते हुए क्रुग्लोव ने कहा कि यह फैसला स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि रूस में सार्वजनिक असहमति अब अवैध हो गई है। संक्षेप में कहा जाए तो यह असहमति पर प्रतिबंध है। उन्होंने अभियोजन पक्ष के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनके पोस्ट राजनीतिक नफरत से प्रेरित थे। क्रुग्लोव ने कहा कि उनका पूरा राजनीतिक करियर रूस में लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि यह साबित हो गया है कि राजनीतिक असहमति को अब नफरत के समान माना जा रहा है। क्रुग्लोव ने अदालत में अंतिम बयान देते हुए कहा कि वे युद्ध के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि रूस एक दिन शांतिपूर्ण देश बनेगा। उन्होंने आगे कहा कि एक ऐसा देश जिसका पड़ोसी सम्मान करें, न कि डरें, और जहां असहमति व्यक्त करना संभव हो। अदालत में पेश किए गए एक पोस्ट में यूक्रेन संघर्ष में हुई मौतों पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का जिक्र था, जबकि दूसरे पोस्ट में मार्च 2022 में कीव के पास बुचा में हुई घटनाओं का उल्लेख किया गया था। यूक्रेन और पश्चिमी देशों का आरोप है कि वहां रूसी सैनिकों ने नागरिकों की हत्या की थी, जिसे मॉस्को 'मनगढ़ंत' बताता है। क्रेमलिन का कहना है कि पश्चिम के साथ 'टकराव' के दौरान रूस को एकजुट रखने के लिए सख्त सेंसरशिप कानून जरूरी हैं। याब्लोको पार्टी के नेता निकोलाई रयबाकोव ने फैसले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अन्यायपूर्ण बताया। अदालत के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर लोगों को लगता है कि ऐसी सजाएं स्वीकार्य और सामान्य हैं, तो उन्हें वोट देने या याब्लोको के अलावा किसी अन्य पार्टी का समर्थन करने की जहमत नहीं उठानी चाहिए। रयबाकोव ने आगे कहा कि हमारे पास अभी सिर्फ एक विकल्प है- याब्लोको को वोट देकर जो हो रहा है उसे 'ना' कहना, या किसी अन्य पार्टी को वोट देकर 'जो हो रहा है, उसे जारी रखो' कहना। इसके अलावा और कोई विकल्प नहीं है।

स्नैपचैट पर मुकदमा, बच्ची से दुष्कर्म के मामले में परिवार ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिसूरी राज्य में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बच्ची के माता-पिता ने सोशल मीडिया कंपनी 'स्नैप' और एक अपराधी के खिलाफ कोर्ट में केस किया है। यह मामला 12 साल की बच्ची के साथ हुए दुष्कर्म से जुड़ा है। बच्ची की मुलाकात इस अपराधी से स्नैपचैट एप पर हुई थी। मुकदमे में कहा गया है कि स्नैपचैट ने अपने एप के खतरनाक फीचर्स को बंद करने से मना कर दिया है। कंपनी ने माता-पिता को उन खतरों के बारे में भी चेतावनी नहीं दी, जो इस एप के इस्तेमाल से बच्चों को हो सकते हैं।

साल 2021 में जब बच्ची 11 साल की थी, तब उसने अपने माता-पिता को बताए बिना स्नैपचैट चलाना शुरू किया था। एप पर खाता खोलने के लिए उम्र कम से कम 13 साल होनी चाहिए। लेकिन बच्ची को याद नहीं कि उसने अपनी क्या उम्र भरी थी। मुकदमे के अनुसार, बच्चों को पता है कि वे उम्र की इस शर्त को आसानी से तोड़ सकते हैं। लगभग एक साल बाद, एप ने गैब्रियल जोएल वैलेन्टिन-रियोस नाम के एक आदमी को बच्ची का दोस्त बनने का सुझाव दिया। गैब्रियल एक वयस्क था और बच्ची से उसका कोई परिचय नहीं था। एप ने बच्ची को यह नहीं बताया कि अजनबियों से जुड़ना खतरनाक हो सकता है। दोस्ती होने के बाद, गैब्रियल ने बच्ची को गंदी तस्वीरें भेजना शुरू कर दिया। बच्ची यह सब नहीं चाहती थी, लेकिन स्नैपचैट की बनावट ऐसी थी कि उसके लिए इन चीजों से बचना नामुमकिन था।

किंग चार्ल्स ने तोड़ी शाही परंपरा, पहली बार अपना पर्सनल टैक्स बिल सार्वजनिक करेंगे

लंदन, एजेंसी। चार्ल्स ने पहले भी अपनी पर्सनल इनकम पर दिए गए टैक्स की जानकारी दी थी जब वह प्रिंस ऑफ़ वेल्स थे, लेकिन 2022 में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन के बाद राजा बनने के बाद यह पहली बार होगा जब वह ऐसा करेंगे। उम्मीद है कि मौजूदा प्रिंस ऑफ़ वेल्स, प्रिंस विलियम भी एक अलग ब्रीफिंग में इसी तरह का तरीका अपनाएंगे।

किंग चार्ल्स गुरुवार को अपने पर्सनल टैक्स बिल का खुलासा करने वाले पहले ब्रिटिश सम्राट बनेंगे। बकिंघम पैलेस 'सॉवरेन ग्रांट' पर अपनी सालाना ब्रीफिंग के दौरान इसकी जानकारी जारी करेगा। यह कदम शाही परिवार के कामकाज में ज़्यादा पारदर्शिता की बढ़ती मांगों के बीच उठाया जा रहा है, खासकर उनके छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के मामलों की महीनों तक हुई जांच-पड़ताल के बाद। चार्ल्स ने पहले भी अपनी पर्सनल इनकम पर दिए गए टैक्स की जानकारी दी थी जब वह प्रिंस ऑफ़ वेल्स थे, लेकिन 2022 में महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के निधन के बाद राजा बनने के बाद यह पहली बार होगा जब वह ऐसा करेंगे। उम्मीद है कि मौजूदा प्रिंस ऑफ़ वेल्स, प्रिंस विलियम भी एक अलग ब्रीफिंग में इसी तरह का तरीका अपनाएंगे। सालाना ब्रीफ़िंग में 'सॉवरेन ग्रांट' (शाही अनुदान) के बारे में भी जानकारी दी

जाएगी, जिसके ज़रिए टैक्स देने वाले लोग राजशाही को फ़ंड देते हैं। पिछले साल बकिंघम पैलेस ने 159 पेज की एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें बताया गया था कि ट्रेज़री से मिले 8.63 करोड़ पाउंड (86.3 मिलियन पाउंड) कैसे खर्च किए गए, जिसमें महल की बड़ी मरम्मत पर खर्च हुआ पैसा भी शामिल था। यह नया कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब सांसद और आम लोग राजशाही के कामकाज के बारे में ज़्यादा पारदर्शिता चाहते हैं, खासकर पूर्व प्रिंस एंड्रयू से जुड़े खुलासों के बाद, जिनसे 2025 में उनके शाही खिताब छीन लिए गए थे। अब एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर के नाम से पहचाने जाने वाले एंड्रयू पर, दोषी सेक्स अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ अपनी दोस्ती से जुड़े सार्वजनिक पद पर रहते हुए गलत व्यवहार के लिए जांच चल रही है। उन्हें एक बड़ी शाही जागीर भी छोड़नी पड़ी है, जहाँ वे बिना किराया दिए रह रहे थे। बीबीसी के अनुसार, महल के सूत्रों का कहना है कि राजा ने 'बेहतर समझ और जवाबदेही को बढ़ावा देने' की कोशिश के तहत अपने टैक्स भुगतान का खुलासा करने का व्यक्तिगत निर्णय लिया। माउंटबेटन-विंडसर विवाद से पहले ही, चार्ल्स ने कहा था कि वे राजशाही को छोटा करना और खर्च कम करना चाहते हैं, क्योंकि आधुनिक लोकतंत्र में वंशानुगत शासक की भूमिका पर सवाल उठ रहे थे।

चार्ल्स की निजी संपत्ति का अनुमान 680 मिलियन पाउंड है, जिससे वे 'संडे टाइम्स' की ब्रिटेन के सबसे अमीर लोगों की सालाना लिस्ट में 230वें नंबर पर हैं। हालांकि राजा या रानी को इनकम टैक्स देने की ज़रूरत नहीं होती, फिर भी चार्ल्स अपनी निजी कमाई पर स्वेच्छा से टैक्स देते हैं। महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय ने 1993 में ऐसा करना शुरू किया था, जब उससे एक साल पहले लगी भीषण आग के बाद विंडसर कैसल की मरम्मत के खर्च को लेकर जनता में नाराज़गी थी। बाद में सरकार और क्राउन के बीच एक समझौते (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) के ज़रिए इस व्यवस्था को औपचारिक रूप दिया गया, जिसके तहत चार्ल्स को भी किसी भी अन्य टैक्सपेयर की तरह ही प्राइवेसी का अधिकार मिलता है।

आर्थिक खुशहाली का सपना देखने वाले इस देश में आज प्रवासन, राष्ट्रीय पहचान का संकट और धुर-दक्षिणपंथ का उभार वहां की राजनीति के केंद्र में है, जिसने यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर रख दिया है।

ठीक एक दशक पहले आज ही के दिन, ब्रिटेन के करीब 1.7 करोड़ (51.9%) लोगों ने दुनिया के सबसे बड़े एकल बाजार, यूरोपीय संघ से अलग होने यानी 'ब्रेक्सिट' के पक्ष में ऐतिहासिक वोट दिया था, जिसके बाद साल 2020 में व्यापार और सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर के साथ यह कूटनीतिक तलाक मुकम्मल हो गया। उस वक्त ब्रेक्सिट के समर्थकों ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि यूरोपीय संघ से बाहर निकलते ही ब्रिटेन अपनी संप्रभुता वापस पा लेगा, प्रवासन पर काबू होगा, आर्थिक समृद्धि आएगी और जनकल्याणकारी सेवाओं में सुधार होगा; लेकिन एक दशक बाद आज का ब्रिटेन राजनीतिक अस्थिरता, सुस्त आर्थिक विकास और बेकाबू महंगाई की मार झेल रहा है। आर्थिक खुशहाली का सपना देखने वाले इस देश में आज प्रवासन, राष्ट्रीय पहचान का संकट और धुर-दक्षिणपंथ का उभार वहां की राजनीति के केंद्र में है, जिसने यूरोपीय संघ से अलग होने के बाद ब्रिटेन के आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। ब्रेक्ज़िट जनमत संग्रह से पहले का समय राजनीतिक स्थिरता और व्यवस्थित सत्ता हस्तांतरण का दौर था, भले ही उस दौरान 2008 के वित्तीय संकट जैसी चुनौतियां थीं। इसके बाद उथल-पुथल का दौर शुरू हुआ, जिसमें छह प्रधानमंत्रियों को अपना कार्यकाल पूरा किए बिना ही पद छोड़ना पड़ा। इस क्रम में सबसे ताज़ा नाम कीर स्टार्मर का है, जिन्होंने 2024 के संसदीय चुनाव में भारी बहुमत हासिल करने के बावजूद, घटती लोकप्रियता और पार्टी के दबाव के कारण ब्रेक्ज़िट की 10वीं वर्षगांठ से ठीक पहले इस्तीफ़ा दे दिया। हालांकि 21वीं सदी की शुरुआत से ही ब्रिटिश राजनीति में लोगों की नाराज़गी बढ़ रही थी। जैसे 2003 का इराक युद्ध, 2008 का आर्थिक संकट और 2009 का खर्च घोटाला। फिर भी कई लोगों ने ब्रेक्ज़िट को वंचित लोगों के लिए अपनी निराशा ज़ाहिर करने के एक दुर्लभ मौके के तौर पर देखा, जिससे ब्रिटिश राजनीतिक व्यवस्था में कोई बड़ी दरार न आए।

बिल गेट्स ने कुबूले 3 एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर, एपस्टीन ने की ब्लैकमेल की कोशिश

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के मशहूर बिजनेसमैन और माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने निजी जिंदगी को

लेकर बहुत बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने माना है कि शादी के बाद उनके तीन महिलाओं के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स थे। 10 जून को स हाउस ओवरसाइट कमेटी के सामने पेश होकर उन्होंने इस बात को स्वीकार किया है। इस दौरान उन्होंने जेफरी एपस्टीन को लेकर भी कई अहम बातें बताईं।

बिल गेट्स ने बताया कि यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन उनके इन एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स के बारे में पहले से ही पूरी तरह जानता था। एपस्टीन ने इस अहम और निजी जानकारी का गलत फायदा उठाने की पूरी कोशिश की थी। वह इन अफेयर्स के जरिए बिल गेट्स को ब्लैकमेल करने की बहुत ही गहरी साजिश रच रहा था। हालांकि बिल गेट्स ने एपस्टीन के किसी भी जुर्म में शामिल होने से पूरी तरह से इनकार किया है। बिल गेट्स ने अपनी गवाही में बताया कि उनका एक रूसी ब्रिज खिलाड़ी मिला अंतोनोवा के साथ अफेयर चल रहा था। इसके अलावा न्यूक्लियर फिजिसिस्ट करीमा निगमातुलिना के साथ भी उनके एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर थे। तीसरी महिला मेडिकल इंडस्ट्रलिस्ट एलिस जैकब्स नेसेलरॉड थीं जिनके साथ भी उनके संबंध थे। गेट्स ने साफ कहा कि ये सारे अफेयर्स उनके परिवार के लिए बहुत ही ज्यादा दर्दनाक और कष्टकारी थे। बिल गेट्स ने खुलासा किया कि जेफरी एपस्टीन को उनके दो रूसी महिलाओं के साथ अफेयर्स की पूरी जानकारी मिल गई थी। एपस्टीन उनकी बेवफाई की इस अहम जानकारी का बहुत ही गलत इस्तेमाल करने की पूरी कोशिश कर रहा था। वह चाहता था कि गेट्स उसके साथ दोबारा जुड़ जाएं और इसीलिए वह झूठी बातें फैलाकर दबाव बना रहा था। गेट्स ने यह भी माना कि एपस्टीन के साथ संपर्क बनाए रखना उनकी एक बहुत बड़ी गलती थी। गेट्स ने बताया कि उनकी एपस्टीन से मुलाकात सिर्फ फिलांथ्रोपी यानी समाज सेवा के कामों पर चर्चा करने के लिए होती थी। उन्होंने कहा कि उन्हें पता था कि एपस्टीन एक दोषी ठहराया गया व्यक्ति है और यह बहुत बड़ा रिस्क है। लेकिन फिर भी उन्होंने एक सीमित भूमिका में उससे मिलने का वह जोखिम उठाया था। हाल ही में न्याय विभाग द्वारा जारी नए दस्तावेजों के बाद इस पुराने मामले की फिर से जांच शुरू हो गई है। कमेटी के सामने दिए गए बयान के अनुसार एपस्टीन ने गेट्स को सीधे तौर पर कभी ब्लैकमेल नहीं किया था। लेकिन उनके बीच हुए ईमेल्स को देखने से यह बहुत बड़ा खतरा पैदा होता है।

फ्रांस में इबोला ने दी दस्तक, कांगो से लौटे डॉक्टर में मिला संक्रमण

डब्ल्यूएचओ ने घोषित किया वैश्विक आपातकाल

पेरिस, एजेंसी। यूरोप में इबोला का पहला मामला जानलेवा इबोला वायरस ने अब यूरोप में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। फ्रांस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने देश में इबोला के पहले मामले की पुष्टि की है, जिससे पूरे महाद्वीप में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। यह मामला एक ऐसे डॉक्टर से जुड़ा है, जो हाल ही में कांगो में एक मानवीय मिशन पूरा करने के बाद फ्रांस लौटा था। संक्रमित पाए जाने के तुरंत बाद, डॉक्टर को एक विशेष आइसोलेशन सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है।

मरीज की हालत स्थिर: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संक्रमित व्यक्ति पेशे से डॉक्टर है और वह कुछ दिन पहले ही कांगो से लौटा था। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी है कि फिलहाल मरीज की हालत स्थिर बनी हुई है।

राहत की बात यह है कि मंत्रालय ने आम जनता के लिए संक्रमण के खतरे को फिलहाल बहुत कम बताया है, क्योंकि मरीज को लक्षण दिखने के तुरंत बाद ही अलग-थलग कर दिया गया था।

इबोला के खतरनाक आंकड़े: इबोला वायरस वर्तमान में कांगो और युगांडा जैसे अफ्रीकी देशों में तेजी से फैल रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, दुनिया भर में अब तक इबोला से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 1,048 तक पहुंच गई है, जिनमें से 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, इस वायरस की मृत्यु दर लगभग 25.5 प्रतिशत है, जो इसे बेहद घातक बनाती है।

बुंदीबुग्यो स्ट्रेन ने बढ़ाई चिंता

सबसे बड़ी चुनौती इस बार इबोला का 'बुंदीबुग्यो' स्ट्रेन चिंता का मुख्य कारण बना हुआ है। यह इबोला वायरस का एक दुर्लभ और खतरनाक प्रकार है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस विशिष्ट स्ट्रेन के लिए फिलहाल कोई प्रमाणित वैक्सीन या पूरी तरह से प्रभावी इलाज उपलब्ध नहीं है। यह वायरस शरीर में तेज बुखार, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी, दस्त और गंभीर मामलों में आंतरिक रक्तस्राव का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ ने जारी किया अलर्ट

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इसे 'अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली स्वास्थ्य आपात स्थिति' घोषित कर दिया है। इसके साथ ही, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने भी इसे महाद्वीपीय सुरक्षा के लिए खतरा माना है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों ने दुनिया भर के देशों को हवाई अड्डों और सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने की सख्त सलाह दी है ताकि संक्रमित यात्रियों की समय पर पहचान की जा सके। दक्षिण सूडान जैसे पड़ोसी देशों को वर्तमान में 'हाई रिस्क जोन' में रखा गया है।

पाकिस्तानी पति ने 10 साल तक फ्रांसीसी पत्नी को बनाया बंधक, बेटे ने कराया 'आजाद'

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक शख्स को अपनी फ्रांसीसी पत्नी और पांच बच्चों को 10 वर्ष से अधिक समय तक घर में कैद करके रखे हुए था। इस दौरान वह शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित भी करता था। पुलिस ने आरोपी के बेटे की शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 54 वर्षीय सिल्वी यास्मिना नामक फ्रांसीसी महिला ने पुलिस को बताया कि उनका पति बेहद हिंसक स्वभाव का है और पूरे परिवार को रोजाना शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित करता था।

मामला तब सामने आया जब यास्मिना के बेटों में से एक भाग निकलने में सफल हो गया और पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के

आधार पर पुलिस ने प्रांत के दूरस्थ इलाके बारा में स्थित घर पर छापेमारी की। वहां पुलिस को यास्मिना और उनके बच्चे एक तंग एवं बेहद जर्जर कमरे में कैद अवस्था में मिले। अधिकारियों ने बताया कि परिवार के सभी सदस्यों के शरीर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने यास्मिना और उनके पांचों बच्चों को तुरंत पेशावर के एक महिला आश्रय गृह में भर्ती कराया है। परिवार अब फ्रांस लौटने की तैयारी कर रहा है। यास्मिना ने पुलिस को बताया कि 2014 में ऑस्ट्रेलिया से पाकिस्तान आने के बाद उनके पति ने पूरे परिवार को कैद कर लिया था। उन्हें किसी भी बाहरी व्यक्ति से मिलने की अनुमति नहीं थी। उनके दो बड़े बच्चे शिक्षा से वंचित रह गए, जबकि तीन छोटे बच्चे पाकिस्तान में पैदा हुए और वे कभी स्कूल नहीं जा सके। आगे यास्मिना ने बताया कि उनकी शादी 2003 में हुई थी। पाकिस्तान जाने से पहले वे ऑस्ट्रेलिया में दो बड़े बच्चों के साथ रह रहे थे। यास्मिना के अनुसार, पाकिस्तान पहुंचने के बाद परिवार का बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रहा।

हालांकि पुलिस ने पति की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बताया गया है कि वह पाकिस्तानी नागरिक है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com